हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 22, पृष्ठ 4, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 6 जुलाई, 2021 दिन मंगलवार गाजीपुर/वाराणसी

गोमती रिवर फ्रंट घोटाले में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई

लखनऊ में करीब 1800 करोड़ रुपए का गोमती रिवर फ्रंट में हुआ घोटाला

यूपी के 13 जिलों में छापेमारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव की सरकार के कार्यकाल के दौरान लखनऊ में बड़े घोटाले में सीबीआइ ने अपनी जांच की गति तेज कर दी है। लखनऊ में करीब 1800 करोड़ रुपए के गोमती रिवर फ्रंट घोटाले में सीबीआइ की एंटी करप्शन ब्रांच ने उत्तर प्रदेश के साथ ही पश्चिम बंगाल तथा राजस्थान के कई जिलों में छापा मारा है।

सीबीआइ लखनऊ की एंटी करप्शन ब्रांच ने गोमती रिवरफ्रंट घोटाले में आरंभिक जांच के बाद तत्कालीन अधीक्षण अभियंता रूप सिंह यादव, शिवमंगल यादव, चीफ इंजीनियर काजिम अली, असिस्टेंट इंजीनियर सुशील कुमार यादव समेत 190 लोगों के विरुद्ध नया केस दर्ज किया है। इस केस को दर्ज करने के बाद सीबीआइ ने कई टीमें गठित कर उत्तर प्रदेश के 13 जिलों के साथ राजस्थान के अलवर और पश्चिम बंगाल के कोलकाता में 42 स्थानों पर व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। सोमवार तड़के शुरू हुआ अभियान जारी है और दिन में इसे बढ़ाया जा सकता है। सीबीआइ अधिकारियों ने बताया कि एफआईआर में तत्कालीन इंजीनियरों सहित उत्तर प्रदेश सरकार के 190 अधिकारियों और अन्य को आरोपित किया कया है। गोमती रिवर फ्रंट घोटाले में सीबीआइ ने दूसरी प्राथमिकी दर्ज की है। सीबीआइ की एंटी करप्शन की टीमों ने एक साथ उत्तर प्रदेश में राजधानी लखनऊ के साथ गाजियाबाद, बरेली, गौतमबुद्धनगर, सीतापुर, बुलंदशहर, आगरा, रायबरेली, इटावा तथा पश्चिम बंगाल और राजस्थान के कई जिलों में छापा मारा है। लखनऊ में करीब 1800 करोड़ के घोटाले में 190 से लोगों के खिलाफ नया केस दर्ज किया गया है। इनमें नेता, व्यापारी तथा आइएएस अधिकारी व इंजीनियर भी हैं। सीबीआइ की एंटी करप्शन टीम ने गोमती रिवरफ्रंट घोटाले में आधा दर्जन आरोपितों के कई ठिकानों पर एक साथ छापा मारा है। टीमें कागजों की पड़ताल में लगी हैं। यह मामला बेहद गंभीर होने के कारण कोई भी कसर नहीं छोड़ी जा रही है। उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव के मुख्यमंत्रित्वकाल में लखनऊ में गोमती नदी के सौंदर्यीकरण का काम किया गया। इसको गुजरात के साबरमती रिवर फ्रंट की तर्ज पर सजाने की योजना थी। समाजवादी पार्टी की सरकार ने गोमती रिवर फ्रंट के लिए 1513 करोड़ मंजूर किए थे। इसमें 1437 करोड़ रुपये जारी होने के बाद भी मात्र 60 फीसदी काम ही हुआ। इस दौरान रिवर फ्रंट का काम करने वाली संस्थाओं ने 95 फीसदी बजट खर्च करके भी पूरा काम नहीं किया था। गोमती रिवर फ्रंट के निर्माण कार्य से जुड़े इंजीनियरों पर कई गंभीर आरोप हैं। इंजीनियरों पर दागी कंपनियों को काम देने, विदेशों से महंगा सामान खरीदने, चैनलाइजेशन के कार्य में घोटाला करने, नेताओं और अधिकारियों के विदेश दौरे में फिजूलखर्ची करने सहित वित्तीय लेन-देन में घोटाला करने और नक्शे के अनुसार कार्य नहीं कराने का आरोप है। इस मामले में आठ इंजीनियर्स के खिलाफ पुलिस के साथ सीबीआइ व ईडी केस दर्ज कर जांच कर रही हैं। इसमें तत्कालीन चीफ इंजीनियर गोलेश चन्द्र गर्ग, एसएन शर्मा, काजिम अली, शिवमंगल सिंह, कमलेश्वर सिंह, रूप सिंह यादव, सुरेन्द्र यादव शामिल हैं। यह सभी सिंचाई विभाग के इंजीनियर हैं, जिनके खिलाफ जांच चल रही है।

अपने लोगों की जान का दुश्मन बना किम जोंग उन!

सिओल। पूरी दुनिया में कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए विकसित की गई वैक्सीन के न्यायपूर्ण वितरण को लेकर कई बार विश्व स्वास्थ्य संगठन दुनिया को आगाह कर चुका है। वहीं कुछ देश ऐसे भी हैं जो इस मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व वाले वैश्विक वैक्सीन वितरण कार्यक्रम में सहयोग नहीं कर रहे हैं। इसमें फिलहाल उत्तर कोरिया का नाम है। उत्तर कोरिया ने इस संबंध में जरूरी पेपरवर्क भी पूरा नहीं किया है। आपको बता दें कि संयुक्त राष्ट्र के तहत बने गावी संगठन की तरफ से पूरी दुनिया में कोवैक्स योजना के तहत कोविड वैक्सीन की उपलब्धता को न्यायपूर्ण तरीके से सुनिश्चित करने की कवायद काफी समय से की जा रही है। दुनिया के कई देश इसका फायदा भी उठा चुके हैं। इसके तहत जिन देशों ने वैक्सीन की जरूरत के बारे में बताया था और इसकी मांग की थी उनको प्राथमिकता के आधार पर वैक्सीन को उपलब्ध कराने की कवायद की जा रही है। लेकिन इसके लिए कुछ दस्तावेजी प्रक्रिया को पूरा करना बेहद जरूरी है। उत्तर कोरिया इस प्रक्रिया को पूरा नहीं कर रहा है। एक समाचार एजेंसी के मुताबिक उत्तर कोरिया और गावी के बीच में इस मुद्दे पर बातचीत हुई है कोवैक्स योजना के तहत वहां पर भी वैक्सीन उपलब्ध करवाई जा सके।

बीजेपी को घेरने के लिए लोकसभा में नया नेता लाएगी कांग्रेस, राहुल गांधी का नाम सबसे आगे

नई दिल्ली। विधानसभा चुनाव में हार और कई विपक्षी दलों के एकजुट होकर कांग्रेस को अलग-थलग करने की कोशिशों के बीच पार्टी अपनी रणनीति बदल रही है। विपक्ष को एकजुट रखने के लिए पार्टी तृणमूल कांग्रेस के साथ रिश्तों को फिर से बेहतर बनाना चाहती है। कांग्रेस संसद के मॉनसून सत्र से पहले अपने संगठन में कई बड़े बदलाव करना चाहती है और इसी के तहत लोकसभा में पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी को इस पद से हटा सकती है। इसके बाद सबसे बड़ा सवाल यही था कि लोकसभा में यह कमान कांग्रेस किसे देगी। सूत्रों के मुताबिक, राहुल गांधी का नाम सदन में विपक्ष के नेता के तौर पर सबसे आगे चल रहा है। खबर के मुताबिक, दो वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने इसकी पुष्टि की है कि विपक्ष के नेता के लिए पार्टी में राहुल गांधी का नाम सबसे ऊपर चल रहा है। हालांकि, इन नेताओं ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि फिलहाल इस मसले पर ज्यादा कुछ बताने के लिए नहीं है क्योंकि राहुल गांधी अभी तक इस जिम्मेदारी के लिए तैयार नहीं हुए हैं। बहरहाल, एचटी को मिली जानकारी के मुताबिक सोनिया और प्रियंका गांधी दोनों ही यह चाहती हैं कि राहुल गांधी यह भूमिका स्वीकार कर लें और इसके लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। दो अन्य नेताओं ने बताया, अगर राहुल गांधी यह पद स्वीकार कर लेते हैं तो इसके बाद कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष का पद परिवार से बाहर के किसी सदस्य को मिल सकता है। अगर ऐसा होता है तो इससे जी-23 नेताओं की मांग भी पूरी हो जाएगी, जो पार्टी में चुनाव की मांग कर रहे थे। हालांकि, कांग्रेस अध्यक्ष को लेकर फैसला बाद में किया जाएगा क्योंकि मौजूदा ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी का कार्यकाल 2022 तक है। हालांकि, राहुल गांधी को सदन में कांग्रेस पार्टी का नेता बनाए जाने को लेकर पार्टी के ही कई नेता खुश नहीं है। एक सांसद ने पहचान न जाहिर करने की शर्त पर बताया, 'इससे राहुल गांधी सिर्फ संसद के होकर रह जाएंगे और कुछ वजहों से तो यह कांग्रेस अध्यक्ष के पद संभालने से भी ज्यादा मुश्किल है।' लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी पश्चिम बंगाल प्रदेश अध्यक्ष भी है। चौधरी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के धुर विरोधी माने जाते हैं। इसलिए चुनाव के दौरान उन्होंने ममता पर निशाना साधने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। इस सबके बावजूद पार्टी चुनाव में अपना खाता तक खोलने में नाकाम रही। कांग्रेस ने लेफ्ट के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। प्रदेश कांग्रेस के दबाव के बावजूद पार्टी का कोई बड़ा नेता प्रचार के लिए नहीं गया। पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सिर्फ एक दिन प्रचार किया, पर तृणमूल कांग्रेस खासकर ममता बनर्जी पर हमला करने से परहेज किया। संसद का मानसून सत्र शुरू होने वाला है। लोकसभा में सरकार को घेरने के लिए कांग्रेस को तृणमूल की जरुरत है। तृणमूल भी कांग्रेस को लेकर सरकार पर राज्यपाल को वापस बुलाने का दबाव बनाना चाहती है। ऐसे में दोनों पार्टियों के बीच तालमेल बढ़ सकता है। कांग्रेस की इस कोशिश को एनसीपी प्रमुख शरद पवार के घर पर हुई विपक्षी दलों की बैठक से भी जोड़कर देखा जा रहा है। क्योंकि यह बैठक तृणमूल कांग्रेस के नेता यशवंत सिन्हा के राष्ट्र मंच के बैनर तले हुई थी।

सोशल मीडियाः निरस्त होने के बावजूद धारा-66ए के तहत दर्ज हो रहीं एफआईआर, सुप्रीम कोर्ट ने कहा- यह भयानक और चिंताजनक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि यह 'चौंकाने वाला, परेशान करने वाला, भयानक और आश्चर्यजनक' स्थिति है कि सूचना एवं प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा-66 ए का इस्तेमाल अभी भी नागरिकों के खिलाफ आपत्तिजनक ऑनलाइन पोस्ट के लिए किया जा रहा है, जबकि वर्ष 2015 में श्रेया सिंघल मामले में इस धारा को निरस्त कर दिया गया था। जस्टिस आरएफ नरीमन की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने इस प्रावधान के दुरुपयोग को उजागर करने वाले पीयूसीएल नामक गैर सरकारी संगठन द्वारा (एनजीओ) के आवेदन पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है।

एनजीओ की ओर से पेश वरिष्ठ वकील संजय पारिख ने कहा कि 11 राज्यों में जिला न्यायालयों के समक्ष एक हजार से अधिक मामले अभी भी लंबित और सक्रिय हैं, जिनमें आरोपी व्यक्तियों पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा-66 ए के तहत मुकदमा चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत के निर्देश का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कोई तरीका होना चाहिए। लोग पीड़ित हैं। इसके जवाब में पीठ ने कहा, 'हम इस पर कुछ करेंगे।' अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने कहा कि भले ही सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रावधान को रद्द कर दिया गया हो, लेकिन अभी भी बेयर एक्ट में मौजूद है। केवल फुटनोट में उल्लेख किया गया है कि सुप्रीम कोर्ट ने धारा-66ए को हटा दिया गया है। हालांकि पीठ ने कहा कि यह आश्चर्यजनक है। जो हो रहा है वह काफी भयानक, चिंताजनक और चौंकाने वाला है। पीठ ने केंद्र सरकार को जवाब दाखिल करने का आदेश देते हुए दो हफ्ते बाद मामले पर विचार करने का निर्णय लिया है। शीर्ष अदालत ने 24 मार्च 2015 को कहा था कि धारा-66ए पूरी तरह से अनुच्छेद 19(1)(ए) (बोलने व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) का उल्लंघन है। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा-66 ए के तहत आपत्तिजनक टिप्पणियों को ऑनलाइन पोस्ट करने वालों के लिए तीन वर्ष की जेल की सजा का प्रावधान था।

चिंतानजनक : रिकवर होने के बाद भी 40% लोगों में मिले रहे कोरोना के लक्षण

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण के बाद लगातार लोगों में दूसरी परेशानियां देखने को मिल रही हैं। एम्स के डॉक्टरों के एक शोध के मुताबिक, 40 फीसदी से अधिक लोगों में कोरोना से ठीक होने के बाद कई तरह के लक्षण देखे गए हैं। इस शोध के मुताबिक, लगभग 10 फीसदी मरीजों में कोरोना होने के तीन महीने बाद भी कुछ लक्षण मौजूद रहे हैं। एम्स के डॉक्टरों ने उत्तर भारत के 1200 से अधिक कोरोना मरीजों पर यह शोध किया है। यह शोध एम्स के मेडिसिन विभाग के प्रमुख डॉक्टर नवनीत विग के निर्देशन में हुआ है। प्रोफेसर नवनीत विग का कहना है कि यह शोध इस बात पर ध्यान दिलाता है कि कोरोना से ठीक होने के बाद भी पहले तीन से छह महीने तक लोगों को अपने स्थानीय डॉक्टर के संपर्क में रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन सभी मरीजों के लक्षण बाद में ठीक भी हो गए। सिर्फ 10 फीसदी मरीजों के लक्षण तीन महीने बाद ठीक हुए। उन्होंने कहा कि लोगों को डरने की जरूरत नहीं है, लेकिन सावधान रहना चाहिए। 18 साल से अधिक उम्र के 1,234 कोरोना मरीजों पर हुए इस शोध में यह सामने आया है कि 495 मरीजों में ठीक होने के बाद भी लक्षण देखे गए। 18 फीसदी मरीज यानी 223 मरीजों में चार सप्ताह के अंदर लक्षण खत्म हो गए। शोध में शामिल 12 फीसदी मरीजों में 12 सप्ताह तक लक्षण रहे और सिर्फ लगभग 10 फीसदी मरीज ऐसे थे जिनमें 12 सप्ताह यानी लगभग तीन महीने बाद भी लक्षण रहे। कोरोना से ठीक हुए लोगों में मांसपेशियों में दर्द, सांस लेने में परेशानी वाले लक्षण प्रमुख थे। 10.9 फीसदी लोगों में मांसपेशियों में दर्द की शिकायत थी। 6.1 फीसदी लोगों में सांस लेने में तकलीफ और 5.5 फीसदी लोगों में थकावट के लक्षण देखे गए। वहीं कुछ लोगों में नींद का न आना और चिड़चिड़ापन जैसे लक्षण भी मौजूद थे।

'हिंदू-मुस्लिम दोनों का डीएनए एक' भागवत के बोल पर मायावती का तंज-'मुंह में राम बगल में छुरी'

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के बयान कि हिंदू और मुसलमान दोनों का डीएनए एक है पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि मोहन भागवत का बयान 'मुंह में राम बगल में छुरी' जैसा है। संघ और भाजपा की कथनी और करनी में अंतर है। वह लखनऊ में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित कर रहीं थी।

मायावती ने कहा कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के कल एक कार्यक्रम में भारत में सभी धर्मों के लोगों का डीएनए एक होने की बात किसी के भी गले के नीचे आसानी से नहीं उतरने वाली है। आरएसएस और बीजेपी एंड कंपनी के लोगों तथा इनकी सरकारों की कथनी व करनी में अंतर सभी देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र और उत्तर प्रदेश सहित देश के जिन राज्यों में भाजपा की सरकारें चल रही हैं, वे भारतीय संविधान की सही मानवतावादी मंशा के मुताबिक चलने की बजाए ज्यादातर आरएसएस के संकीर्ण एजेंडे पर चल रही हैं, ये आम चर्चा है। मायावती ने कहा कि आरएसएस के सहयोग और समर्थन के बिना बीजेपी का अस्तित्व कुछ भी नहीं है फिर भी आरएसएस अपनी कही गई बातों को बीजेपी और इनकी सरकारों से लागू क्यों नहीं करवा पा रही है? उन्होंने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा चुनावी लाभ के लिए धर्मांतरण को मुद्दा बना रही है। अगर ऐसा कहीं कुछ है तो आरोपियों को सजा मिलनी चाहिए पर पूरे मुस्लिम समुदाय को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। मायावती ने कहा कि यूपी में आज अफरा-तफरी का माहौल है। बसपा हमेशा से ही भाजपा व आरएसएस की नीतियों का विरोध करती रही है। भाजपा सरकारें आरएसएस के एजेंडे पर काम कर रही हैं।

कोरोना से उबरे 22 फीसद मरीज हुए 'लॉन्ग कोविड सिंड्रोम' के शिकार

नई दिल्ली। कोरोना से अगर आप जंग जीत भी चुके हैं, तो भी सावधानी बरतने की जरूरत है। दरअसल, एम्स के अध्ययन में यह पता चला है कि संक्रमण का शिकार होने वाले 22 फीसद मरीज तीन से छह माह तक अलग-अलग बीमारियों से जूझते रहे हैं। डाक्टर कहते हैं कि घबराएं नहीं, कोरोना से उबरने के बाद सतर्कता बरतें और किसी तरह की परेशानी होने पर डाक्टर से तत्काल संपर्क करें।

एम्स के मेडिसिन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर व अध्ययन करने वाली टीम के सदस्य डा. नीरज निश्चल ने बताया कि यूनाइटेड किंगडम के एनआइसीई (नेशनल इंस्टीट्यूट फार हेल्थ एंड केयर एक्सीलेंस) द्वारा तय मानक के अनुसार चार से 12 सप्ताह या उससे अधिक समय तक लक्षण बरकरार रहने पर लॉन?ग कोविड सिंड्रोम कहा जाता है। इस बीमारी में ब्लड क्लाट की समस्या भी देखी जा रही है। फेफड़े में संक्रमण की वजह से लंबे समय तक सांस लेने में परेशानी हो सकती है। मध्यम व गंभीर संक्रमण के मरीजों के इलाज में कई तरह की दवाएं चलती है। सकारात्मक सोच, सांस से संबंधित योग व व्यायाम से इस पर काबू पाया जा सकता है।

बड़ा संकट बन रहे छोटे फ्लाइंग रोबोट, चीन कर रहा पाकिस्तान को नए हथियार की आपूर्ति

नई दिल्ली। ड्रोन का जिक्र होते ही हमारे दिमाग में आमतौर पर एक छोटे से रोबोटिक विमान की छवि बनती है। कुछ फीट का विमान, जिसे रिमोट के जरिये कहीं दूर से संचालित किया जाता है। हालांकि ड्रोन यानी मानवरहित विमान (यूएवी) का परिचय सिर्फ इतना नहीं है। ड्रोन का अर्थ सिर्फ दो-तीन फीट का रिमोट से चलने वाला विमान ही नहीं होता है। हेलिकॉप्टर के आकार के बड़े युद्धक ड्रोन भी बहुतायत में हैं। दुनिया के ज्यादातर देश ऐसे घातक युद्धक ड्रोन विकसित करने में सक्रियता से जुटे हैं। कई युद्धक ड्रोन 1,000 किलोग्राम से भी ज्यादा वजन के हथियार लेकर उड़ने और कई-कई घंटे लगातार हवा में रहने में सक्षम हैं। हाल के दिनों में आतंकियों द्वारा इनके इस्तेमाल ने सबकी चिंता बढ़ा दी है।

आई आफ द स्काई भी कहे जाते हैं ड्रोन : ड्रोन को आम भाषा में फ्लाइंग रोबोट कहा जा सकता है। इन्हें दूर बैठे नियंत्रित किया जा सकता है। इनके माध्यम से न केवल किसी स्थान विशेष की 24 घंटे निगरानी की जा सकती है, बल्कि ये आपको रियल टाइम पिक्चर्स भी भेज सकते हैं। इन्हीं सब विशेषताओं के चलते इसे आई आफ द स्काई (आसमान की आंख) कहा जाता है।

1917 से जुड़ते हैं ड्रोन की कहानी के शुरूआती तार : ड्रोन के आधुनिक स्वरूप के तार 1917 से जुड़ते हैं। चार्ल्स कैटरिंग ने एक हवाई तारपीडो बनाया था, जिसे बग नाम दिया

गया था। यह किसी जगह पहुंचकर वहां बम गिराने में सक्षम था। 1937 में अमेरिकी नौसेना ने रेडियो तरंगों से नियंत्रित होने वाला मानवरहित तारपीडो एन2सी-2 बनाया था। 1973 में रूस ने सैन्य निगरानी के लिए ड्रोन बनाया। इसके बाद अमेरिकी सेना ने 1991 में खाड़ी युद्ध के दौरान ड्रोन का पहली बार सैन्य इस्तेमाल किया था। अमेरिका का रहस्यमयी एक्स-37बी स्पेस प्लेन भी ड्रोन की ही श्रेणी में आता है। अमेरिका की वायुसेना इसे नियंत्रित करती है। इसे अंतरिक्ष में जाकर वापस आ सकने वाले विमान के तौर पर विकसित किया गया है।

बनते जा रहे हैं आतंकवादियों के हाथ का हथियार : बताया गया कि आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आइएस) ने पहली बार आतंकी गतिविधियों में ड्रोन का इस्तेमाल किया था। एक गैर सरकारी संगठन मिडिल ईस्ट मीडिया रिसर्च इंस्टीट्यूट ने वाशिंगटन पोस्ट के एक लेख के हवाले से कहा कि अगस्त, 2014 में आइएस ने युद्ध के मैदान की खुफिया जानकारी एकत्र करने और आत्मघाती विस्फोटों के प्रभावों का पता लगाने के लिए ड्रोन का उपयोग करना शुरू किया था। यह आतंकी संगठन छोटे ड्रोन पर बम बांधकर हमले की भी कई कोशिशें कर चुका है। पिछले वर्ष अक्टूबर में इराक में ऐसे एक हमले में कई कुर्द लड़ाकों की जान चली गई थी। इससे पहले 2013 में अलकायदा ने ड्रोन का इस्तेमाल करके पाकिस्तान में आतंकी हमले की कोशिश की थी, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली थी।

हरियाणा कांग्रेस में रार बढ़ी, वेणुगोपाल से मिल रहे हैं हुड्डा समर्थक 22 विधायक

नई दिल्ली। हरियाणा कांग्रेस में रार थमने के बजाए बढ़ गई है। हरियाणा कांग्रेस की अध्यक्ष कुमारी सैलजा के खिलाफ पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उनके समर्थक विधायकों ने मोर्चा खोल दिया है। हुड्डा समर्थक 22 विधायक दिल्ली में कांग्रेस के मुख्यालय पहुंचे हैं। हुड्डा समर्थक विधायक कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन सचिव केसी वेणुगोपाल से मिल रहे हैं। वे पांच-पांच के दल में वेणुगोपाल से मिल रहे हैं। ये विधायक कुमारी सैलजा को हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष पद से हटाने की मांग कर रहे हैं। दूसरी ओर, हरियाणा की पूर्व मंत्री किरण चौधरी भी केसी वेणुगोपाल से मिलने पहुंची। उन्होंने कहा कि वह इनमें (हुड्डा समर्थक विधायकों में) शामिल नहीं हैं। वेणुगोपाल से मिलने वाले पहले पांच विधायकों में डॉ. रघुबीर सिंह कादियान, बीबी बत्रा, कुलदीप वत्स, वरुण मुलाना और बिशन सिंह सैनी शामिल हैं। विधायकों ने हरियाणा कांग्रेस के हालात और कुमारी सैलजा के अब तक राज्य संगठन का पुनर्गठन करने के बारे में अपने पक्ष रखे। बताया जाता है कि इन विधायकों ने कहा कि सैलजा के हरियाणा कांग्रेस की अध्यक्ष बनने के बाद से पार्टी निष्क्रिय है। पार्टी की कोई गतिविधि नहीं चल रही है। इससे राज्य के पार्टी कार्यकताओं में उदासीनता और निराशा है। विधायकों ने राज्य में पार्टी का संगठन तुरंत घोषित करने और कुमारी सैलजा को अध्यक्ष पद से हटाने की मांग की। अभी विधायकों का वेणुगोपाल से मिलने का सिलसिला जारी है। इससे पहले ये विधायक दिल्ली के 15 तालकटोरा रोड स्थित पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा निवास पर एकत्रित हुए। वहां विचार-विमर्श के बाद वे राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल से मिलने कांग्रेस मुख्यालय रवाना हुए। हुड्डा समर्थक ये विधायक मौजूदा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कुमारी सैलजा को बदलने की मांग को लेकर अरसे से सक्रिय हैं।

चिंतन मनन

हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट आदेश दें - सलाह नहीं

संविधान एवं विधि विशेषज्ञ न्यायपालिका की वर्तमान स्थिति से हतप्रभ हैं। हाल ही में मद्रास हाईकोर्ट ने वीडियो गेम पर प्रतिबंध लगाने की याचिका पर सुनवाई करने से इंकार कर दिया। मद्रास हाईकोर्ट ने माना कि वीडियो गेम की लत से वच्चे एवं युवा शिकार हो रहे हैं। प्रतिबंध लगाना सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। कोर्ट ने सरकार से सम्पर्क करने की बात कहकर याचिका पर सुनवाई करने से इंकार कर दिया। इसी तरह के सैकड़ों मामलों मे विभिन्न हाईकोर्ट एवं सुप्रीमकोर्ट के न्यायाधीशों ने याचिकाओं में आदेश देने के स्थान पर बिना निर्णय याचिकाओं का निराकरण निर्देश के साथ कर दिया। जनहित याचिकाओं में सुनवाई के दौरान कास्ट लगाकर याचिकाओं को खारिज करने का निर्णय बड़े पैमाने पर देश की विभिन्न हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट में हो रहा है। जनहित याचिका के माध्यम से अब ना अपना भी आम आदमी के बस में नहीं रहा। आम जनता दो पाटों के बीच फंसकर पिसने के लिए मजबूर है। सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट एवं अधिनस्थ न्यायालयों में जो मुकदमें और याचिकायें दाखिल होती हैं। उसमें 70 फीसदी मामलों में सरकारें पक्षकार होती हैं। सरकारों को जनहित में जो निर्णय करने चाहिए। वह राजनैतिक एवं स्वयं के हितों को देखते निर्णय नहीं लेते। निर्णय वर्षों तक लंबित रहतें हैं। सरकार द्वारा जो कानून और नियम बनाये जाते हैं। उनका मनमाना उपयोग शासन और प्रशासन के पदों पर बैठे हुए लोग करते हैं। कानून एवं नियमों का एक वर्ग विशेष को फायदा पंहुचाने में किया जा रहा है। गरीब एवं सामान्य आम जनता के लिए अलग कानून एवं का कारपोरेट के लिए अलग कानून बन रहे हैं। पिछले 20 वर्षों में टेक्स एवं निजी हितों को प्रभावित करने वाले सैकड़ों नए कानून एवं हजारों नियम बने हैं। हर कानून एवं नियम का असर निजी जीवन में आम आदमी के आर्थिक एवं निजी हितों पर पड़ रहा है। सरकारें,असंवेदनशील हैं। आम जनता की जब सरकारों एवं कार्यपालिका की नौकरशाही में सुनवाई नहीं होती है। तभी जनहित याचिकाओं एवं अन्य याचिकाओं के माध्यम से नागरिक हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट पंहुच कर न्याय की गुहार लगाते हैं। पिछले वर्षों में हाई कोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट में याचिकाओं पर कास्ट लगाकर खारिज किए जाने से आम नागरिक और विधि विशेषज्ञ वकीलों की जमात हतप्रभ है। इसी तरह हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान और याचिकाओं के निराकरण में आदेश के स्थान पर सलाह के रुप में मामलों का निराकरण कर दिया जाता है। जिसके कारण पिछले वर्षों में केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट की सलाह एवं निर्णयों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। पिछले वर्षों में कानून एवं नियमों का निर्धारण अध्यादेश एवं प्रशासनिक आदेशों के माध्यम से हो रहा है। सरकारे मनमाने नियम बना रहीं हैं। जिसके कारण आम आदमी की निजी स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आजादी, पुलिस प्रताणना, जांच एजेंसियो की कार्यप्रणाली को लेकर जनता की नाराजगी बढती जा रही है। जेल में वर्षों से बिना चार्जशीट के हजारों लोग बंद हैं। नियमों एवं कानूनों का बेजा इस्तेमाल हो रहा है। इसके बाद भी न्यायपालिका की अनदेखी से जनता मे नाराजी बढ़ रही है। विधि विशेषज्ञों एवं आम जनता अभी तक यह मानकर चलती है कि विधायिका एवं कार्यपालिका के निर्णयों से यदि कोई असहमत है। वह न्यायपालिका में जाकर निर्णय प्राप्त कर सकता है। केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा बनाए गए कानूनों एवं नियमों की वैधानिकता देखने और उस पर निर्णय लेने का अधिकार हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट को ही है। आम जनता के मौलिक अधिकारों का यदि किसी भी नियम कानून अथवा प्रशासन द्वारा हनन किया जा रहा है ऐसे मामलों को सुनने एवम आदेश देने की शक्तियां संविधान ने न्यायपालिका को सर्वोच्चता के साथ प्रदान की है। कानून बनाने का अधिकार विधायिका को प्राप्त है। कानून एवं नियमों के अनुसार शासन - प्रशासन चलाना कार्यपालिका की जिम्मेदारी है। यदि विधायिका एवं कार्यपालिका संविधान प्रदत्त आम आदमी के मौलिक अधिकारों को नियंत्रित करने अथवा उन्हें खत्म करने का कोई कार्य करती है।

ठीक नहीं ये फिरकी !

चर्चा में आमिर हैं ।
और किरन राव ।।
बात हुई कुछ ऐसी ।
हो गया अलगाव ।।
बड़ी-बड़ी बातें ।
साबित हुई दिखावा ।।
है निकला निचोड़ ।
झूठा था वो दावा ।।
चिकनी चुपड़ी बातें ।
खोखले आदर्श ।।
पर्दे वाले लोगों का ।
हो रहा उत्कर्ष ।।
रिश्तों की है शर्त ।
त्याग और बलिदान ।।
ठीक नहीं ये फिरकी ।
लो बस इतना जान ।।

-कृष्णेन्द्र राय

बाजार में मांग बढ़ाने के लिए जनता के हाथ में रोकड़े की प्रचुरता होना जरुरी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को आर्थिक राहत पैकेज का एलान किया जो राहत भरा है । इससे कोरोना की मार से बेहाल अर्थव्यवस्था को सहारा मिलेगा। उनके अनुसार कुल 8 उपायों का एलान किया जा रहा है। इसमें से 4 उपाय बिल्कुल नए हैं। इसमें हेल्थ से जुड़ा एक नया राहत पैकेज भी शामिल सरकार ने 1.1 लाख करोड़ रुपये का फंड क्रेडिट गारंटी योजना के लिए आवंटित किया है। कोविड से प्रभावित क्षेत्रों को इससे मदद मिलेगी। 8 महानगरों को छोडकर दूसरे शहरों में मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए सरकार 50,000 करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसके तहत सरकार कम ब्याज दर पर लोन देगी। स्कीम के तहत 100 करोड़ रुपये का अधिकतम लोन होगा। इस लोन पर सरकार की गारंटी भी होगी।उसका मुख्य आयाम मौद्रिक स्तर पर विभिन्न उद्योग-धंधों को कर्जों या ऋणों की सुलभता उपलब्ध कराना लगता है, जिससे अपनी चालू पूंजीगत आवश्यकताओं की आपूर्ति करके ये उद्योग अपनी वाणिज्यिक गतिविधियों को जारी रख सकें परन्तु सवाल उठना वाजिब है कि छोटे या मंझोले उद्योगों में क्या इतनी ताकत बची है कि ये और ऋण लेकर अपना काम आगे जारी रख सकें? मुख्य रूप से वित्तमन्त्री ने स्वास्थ्य व पर्यटन और निर्यात क्षेत्र को मजबूत करने के लिए ऋण सेवाएं उपलब्ध कराने के इन्तजाम बांधे हैं। कुल 6.28 लाख करोड़ रुपए के मदद पैकेज में पिछली घोषणाओं के आर्थिक अवयव भी शामिल कर लिये गये हैं। ताजा तौर पर कुल पैकेज में से केवल 20 हजार करोड़ रुपए की धनराशि ही सरकारी खजाने से सीधे बाजार में जायेगी शेष धनराशि मौद्रिक आधार पर मदद के लिए बैंकों की मार्फत उपलब्ध होगी।

वित्तमन्त्री ने लघु व मंझोले उद्योगों के लिए आपातकालीन ऋण उपलब्ध कराने की सीमा तीन लाख करोड़ से बढ़ा कर साढे. चार लाख करोड़ रुपए की कर दी है। जबकि स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 50 हजार करोड़ रुपए व अन्य प्रभावित उद्योग-धंधों के लिए 60 हजार करोड़ रुपए के आपातकालीन ऋण सुलभ होंगे। मगर दूसरी तरफ हमें यह देखना होगा कि कोरोना की दूसरी लहर के दौरान राज्य स्तर पर किये गये विभिन्न लॉकडाउनों ने पूरी अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ कर रख दी है और सबसे बुरा असर लघु व मध्यम दर्जे की औद्योगिक इकाइयों पर ही डाला है। इनमें से एक चौथाई की हालत ऐसी हो चुकी है कि वे आगे उत्पादन करने योग्य नहीं रही हैं । बाजार में मांग की कमी होने की वजह से जो इकाइयां उत्पादन कर भी रही हैं वे अपनी स्थापित क्षमता का औसतन आधा ही उपयोग करके किसी तरह घिसट रही हैं। इसके साथ ही बेरोजगारी की दर में भी वृद्धि हुई है और सबसे ज्यादा रोजगार देने वाले लघु व मध्म दर्जे की इकाइयों से कार्यरत कर्मचारियों की छंटनी हो रही है अथवा उन्हें आधी तनख्वाह पर काम पर रखा जा रहा है। यह स्थिति भयावह कही जा सकती है जिसका उपचार केवल वित्तीय मदद देकर ही किया जा सकता है परन्तु वित्तमन्त्री का जोर पहले 20 लाख करोड़ के आर्थिक पैकेज से लेकर मौद्रिक मदद देने पर ही रहा है। इसके अच्छे

परिणाम आने को ही थे कि कोरोना की दूसरी लहर ने अर्थव्यवस्था को अपनी चपेट में ले लिया। अब उम्मीद की जानी चाहिए कि मौद्रिक उपायों से अर्थ व्यवस्था में धीरे-धीरे जान आयेगी।

पिछले 20 लाख करोड़ के पैकेज में से भी सरकारी खजाने से केवल पौने दो लाख करोड़ रुपए की रोकड़ा ही निकली थी जिसमें मुफ्त अनाज सुविधा व ग्रामोण रोजगार की बढ़ी हुई अवधि की कीमत धनराशि भी शामिल थी। पहले भी यह मांग उठी थी कि सरकार गरीबी की सीमा रेखा के पास बैठे हुए परिवारों को सीधे छह हजार रु महीने की वित्तीय मदद दे जिससे बाजार में मांग बढ़ सके और उत्पादन गतिविधियां बदस्तूर जारी रह सकें परन्तु सरकारी पैकेज से इतना जरूर हुआ था कि ग्रामीण अर्थ व्यवस्था अपने बूते पर उठ कर खड़ी हो गई थी। तर्क दिया जा रहा है कि सरकार ने पेट्रोल व डीजल की कीमत बढ़ा कर साल भर में चार लाख करोड़ रुपए की धनराशि अपने खजाने में जमा की है। इसका दस प्रतिशत भी कोरोना के मृत परिवारों को देने से अर्थव्यवस्था पर गुणात्मक प्रभाव पड़ेगा और मांग बढ़ने में मदद मिलेगी तथा स्वरोजगार के माध्यम से बेरोजगारी के आंकड़ों पर भी असर पड़ेगा किन्तु यह भी सोचना होगा कि सरकार को अभी प्रत्येक वयस्क को कोरोना वैक्सीन लगाने के साथ ही दो वर्ष से लेकर 18 वर्ष तक की नौजवान पीढ़ी के भी मुफ्त वैक्सीन लगानी होगी। इसके लिए वित्तीय स्त्रोतों को संभाल कर रखना होगा। मगर वित्तमन्त्री ने स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए जो मदद देने की घोषणा की है उसका स्वागत किया जाना चाहिए। कुल 50 हजार करोड़ की ऋण गारंटी स्कीम बड़े-बड़े शहरों के अलावा अन? छोटे शहरों में भी चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ करने की गरज से होगी, इसमें 23,200 करोड़ रुपये का आवंटन स्वास्थ्य मन्त्रालय को तुरन्त किया जायेगा जिससे वह देश में आधारभूत चिकित्सा सेवाओं को मजबूत बना सके। इस मद में केन्द्र के खजाने से 15 हजार करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे।

पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए वित्तमन्त्री ने इस क्षेत्र के लिए भी ऋण गारंटी योजना की शुरूआत की है और पांच लाख पर्यटक वीजा मुफ्त देने का ऐलान किया है। साथ ही आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना को 30 जून, 20 से बढ़ा कर 31 मार्च, 22 तक कर दिया गया है। इसी प्रकार निर्यात ऋण गारंटी स्कीम को भी बढ़ा कर पांच साल से ऊपर कर दिया गया है और इलैक्ट्रानिक उत्पादन क्षेत्र की विशेष स्कीम को भी बढ़ा कर 2025-26 तक कर दिया गया है। अतः ये सारी स्कीमें उद्योग जगत को सुविधा देने की जरूर हैं मगर इस बात की गारंटी नहीं है कि बाजार में यथानुरूप मांग भी बढेगी। मांग तभी बढेगी जब जनता के हाथ में रोकड़ा की प्रचुरता होगी।

हर राहत पैकेज के बाद बुजुर्गों को एक बात अखरती है` कोरोना काल की राहत में बुजुर्गों के लिए कोई अलग से पैकेज नहीं होता जबकि सबसे ज्यादा रहत की उन्हें जरुरत हैं । भारत में बुजुर्गों की आबादी बढ़ रही है और सर्वेक्षणों के अनुसार, देश में कुल आबादी में बुजुर्गों की हिस्सेदारी 2001 में 7.5 प्रतिशत से बढ़कर 2026 तक लगभग 12.5 प्रतिशत और 2050 तक 19.5 प्रतिशत से अधिक होने की उम्मीद है।कम से कम 70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्गों को कोरोना काल में आयकर से ही माफी दिलवा देते।

अनुष्का शर्मा दिसंबर से शुरू करेंगी झूलन गोस्वामी की बायोपिक की शूटिंग

अनुष्का शर्मा लगभग ढाई साल से सिल्वर स्क्रीन से गायब हैं। उन्हें आखिरी बार फिल्म जीरो में देखा गया था। 2020 में यह खबर आई थी कि वे भारतीय टीम की क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की बायोपिक में लीड रोल निभाएंगी। जनवरी 2020 में अनुष्का को भारतीय टीम की जर्सी पहने कोलकाता के ईडन गार्डन्स क्रिकेट स्टेडियम में झूलन के साथ देखा गया था। चर्चा थी कि दोनों ने बायोपिक की घोषणा के लिए वीडियो की शूटिंग की, जिसे सोनी पिक्चर्स द्वारा निर्मित किया जाएगा। अनुष्का अभी बेटी वामिका के साथ हैं। इसलिए फिल्म 2021 के आखिर में फ्लोर पर जाएगी। झूलन की प्रेरणादायक यात्रा से अनुष्का निश्चित रूप से पूरा न्याय करेंगी।

रविवार को डिस्चार्ज होंगे नसीरुद्दीन शाह- दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह को इस रविवार को अस्पताल से छुट्टी मिलने की संभावना है। उन्होंने खुद एक टेलीफोनिक इंटरव्यू में यह जानकारी दी। नसीरुद्दीन के मैनेजर ने एक इंटरव्यू में ये कंफर्म किया था कि वे हॉस्पिटल में हैं और बताया था, 'वह 4 दिन से हॉस्पिटल में भर्ती हैं। उन्हें

निमोनिया होने के कारण भर्ती कराया गया था। उनके फेफड़ों में पैच पाया गया, इसलिए उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती कराना जरूरी था। उनकी कंडीशन अभी स्टेबल है और उनको ट्रीटमेंट का असर भी हो रहा है।' पहले खबर थी कि शुक्रवार को डिस्चार्ज हो सकते हैं।

रुपाली गांगुली ने खरीदी लग्जरी गाड़ी- रुपाली गांगुली की खुशी का कोई ठिकाना नहीं है क्योंकि एक्ट्रेस हाल ही में एक नई लग्जरी कार की मालकिन बनी हैं। उन्होंने अपने पति के साथ बिल्कुल नई शाइनिंग कार के बगल में खड़े होकर उसी की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की है। रुपाली गांगुली ने चमकीले पीले रंग का प्रिंटेड सूट पहना है और कार की चाबी का कटआउट पकड़े हुए देखा जा सकता है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'द टॉल एंड द शॉर्ट ऑफ इट! भारतीय बनें भारतीय खरीदें, भारतीय का समर्थन करें!"

- **'तूफान' का पहला गाना 'तोड़ून टाक'**- हर योद्धा के लिए तूफान का पहला गाना 'तोड़ून टाक' आप के भीतर के फाइटर को जगा देगा। यह शानदार हिप-हॉप कलाकार डी'विल द्वारा गाया और लिखा गया है और संगीत डब शर्मा ने बनाया है। तूफान में फरहान अख्तर के साथ मृणाल ठाकुर, परेश रावल, सुप्रिया पाठक कपूर, हुसैन दलाल, डॉ. मोहन अगाशे, दर्शन कुमार और विजय राज में हैं। फि ल्म राकेश ओमप्रकाश मेहरा ने डायरेक्ट की है। तूफान भारत और 240 देशों में 16 जुलाई से अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

महंगाई की मार

महंगाई के मोर्चे पर सरकार लगातार विफल साबित हो रही है। हर दिन डीजल-पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी करनी पड़ रही है। रसोई गैस की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। रोजमर्रा इस्तेमाल होने वाली उपभोक्ता वस्तुओं के मूल्य आसमान छू रहे हैं। ताजा आंकड़े के मुताबिक थोक महांगाई दर रिकार्ड तेरह फीसद को छूने लगी है। इससे खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी का अंदाजा लगाया जा सकता है। शायद ही कोई वस्तु हो, जिसके मूल्य न बढ़े हों। मगर सबसे अधिक बढ़ोतरी खाद्य तेलों और ईंधन में हुई है। यह तब है, जब कोरोना महामारी के कारण लोगों की कमाई कम हुई है और उन्होंने खर्च को लेकर अपने हाथ रोक रखे हैं। यानी मांग में उछाल नहीं आ रहा। फिर रिजर्व बैंक ने अपनी ब्याज दरें सबसे निचले स्तर पर स्थिर कर दी हैं। महंगाई बढ़ने के दो मुख्य कारण बताए जा रहे हैं। एक, कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और दूसरा विनिर्माण यानी मैन्युफैक्चरिंग में लागत बढ़ना। डीजल-पेट्रोल और रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोतरी का असर अनेक स्तरों पर पड़ता है। उपभोक्ता वस्तुओं की उत्पादन लागत और ढुलाई का खर्च बढ़ जाता है, जिससे स्वाभाविक ही उनकी कीमतें बढ़ती हैं। मगर ईंधन की कीमतों पर अंकुश लगाने की कोशिशें विफल ही साबित हुई हैं। भारत में कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा चार लाख के पार निकल गया है। इतनी मौतें भले ही सवा साल के दौरान हुई हों, लेकिन मामूली नहीं है। देश में कोरोना से पहली मौत पिछले साल बारह मार्च को हुई थी। साढ़े छह महीने बाद एक अक्तूबर 2020 को यह आंकड़ा एक लाख पहुंच गया था और इस साल चौबीस अप्रैल को दो लाख तक। यानी एक लाख होने में दो सौ तीन दिन और एक से दो लाख होने में दो सौ आठ दिन लगे थे। पर इसके बाद चौबीस अप्रैल से बीस मई यानी तेईस दिन में ही मौतों का आंकड़ा बढ़ तक तीन लाख हो गया। फिर बीस मई से एक जुलाई यानी तियालीस दिन में एक लाख और लोगों ने दम तोड़ डाला।

कब रुकेगा यह धर्मान्तरण का धंधा

जम्मू-कश्मीर में सिख लड़कियों के धर्मान्तरण और निकाह की घटना तथा नोएडा डेफ सोसायटी के मूक बधिर बच्चों के धर्मान्तरण जैसी निंदनीय घटनाओं ने पूरे देश को चौका दिया है। हमारे संविधान ने सभी धर्मावलम्बियों को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार दिया है किन्तु धार्मिक स्वतंत्रता की आड़ में जिस प्रकार धर्मान्तरण किये जा रहे हैं उन्होंने एक बार पुनः इस धारा की व्याख्या करने की आवश्यकता उपस्थित कर दी है । यद्यपि देश के भिन्न-भिन्न राज्यों में धर्मान्तरण रोकने के लिए अलग-अलग कानून हैं किन्तु कोई भी राज्य इस बात का विश्वास नहीं दिलासकता कि उसके यहाँ धर्मान्तरण पूर्णतः रुक गया है। अभी इस अपराध में दो वर्ष से लेकर अधिकतम सात वर्ष की सजा का प्रावधान है। जुमार्ने की राशि भी जो कुछ राज्यों में पहले पाँच हजार थी उसे भी अलग-अलग राज्यों ने थोड़ी बहुत वृद्धि करके खाना पूर्ति कर दी है। एक अनुमान के अनुसार धर्मान्तरण कराने वाले गिरोहों को इस कार्य के लिए हवाला आदि माध्यमों से जो फंड मिलता है वह करोड़ों में होता है। यह पैसा अरब देशों तक से यहाँ पहुँचाया जाता है। अब प्रश्न यह है कि जिस कार्य को करने के लिए करोड़ों रुपये मिलते हों और पकड़े जाने पर जुमार्ना मात्र कुछ हजार रुपये हो तो भला ऐसा कानून इस कुकृत्य को कैसे रोक पाएगा ?

भारत जिसे हिन्दू बहुसंख्यक देश कहा जाता है वहाँ कश्मीर, लद्दाख, मिजोरम, नागालैंड, लक्ष्यद्वीप, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय आदि कई राज्यों में हिन्दू जनसंख्या घटते-घटते अल्प संख्यक हो गई है। देश के नौ राज्यों में हिन्दुओं का अल्पसंख्यक हो जाना निस्संदेह चिन्ता का विषय है। इस बात में कोई सन्देह नहीं कि हिन्दू आवादी घटने का सबसे बड़ा कारण धर्मान्तरण ही है। आश्चर्य की बात यह है कि इतनी बड़ी संख्या में धर्मान्तरण के पश्चात भी देश में इसे रोकने के लिए प्रभावी कानून

नहीं बन सका है।

भारत में धर्मान्तरण की विवशता और छल का इतिहास बहुत पुराना है। ब्रिटिश काल में इसाई मिशनरियों ने सहानुभूति और सेवा की आड़ में धर्मान्तरण का जो घिनौना खेल आरंभ किया था वह आज तक अनवरत चल रहा है । स्वयं टेरेसा जिन्हें कुछ लोग मदर भी कहते हैं, यही करती रहीं। मिशनरियाँ सुदूर वनों में रहने वाले अनुसूचित जनजाति के लोगों को अभी भी बहला फुसलाकर ईसाई बना देती हैं। मध्यकाल में इस्लामिक आक्रान्ता गर्दन पर तलवार रखकर या जज़िया कर लगा कर धर्मान्तरण कराते रहे। किन्तु उत्तरप्रदेश में मुफ्ती काजी जहांगीर आलम और मुहम्मद उमर के धर्मान्तरण गैंग ने इन सबसे हटकर जिस क्रूरता और निर्लज्जता से धर्मान्तरण कराने का कुकृत्य किया है वैसे उदहारण कम ही देखने को मिलते हैं। दिव्यांग बच्चों को देख सज्जन नागरिकों के मन में स्वाभाविक रूप से सहानुभूति उमड़ती है। वे बिना किसी भेदभाव के इनकी सेवा और सहयोग करने लगते हैं। किन्तु यह एक ऐसा गिरोह बताया जा रहा है जो उन मासूम हिन्दू बच्चों के खतने कर उन्हें मुसलमान बना देता है जो न बोल सकते हैं न सुन सकते हैं जिन्हें समाज से अतिरक्त सहानुभूति की आवश्यकता थी। यदि डेफ सोसायटी इन मूक बधिरों को बिना धर्मान्तरण के ही उनका जीवन सँवार देती तो संभव था कि पूरी दुनिया उनके कार्यों की सराहना करती।

भारत के प्रबुद्ध नागरिकों और मानवता वादियों को आशा थी कि लगभग एक हजार हिन्हुओं (जिनमें मूक बधिर बच्चे और लड़कियाँ भी शामिल हैं) को लोभ-लालच देकर,गुमराह करके जबरन मुसलमान बनाए जाने की इस क्रूर और घ्रणित घटना का देश के सभी इस्लामिक इदारे/धार्मिक संस्थाएँ एक सुर में निंदा करेंगीं किन्तु ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। कुछ लोग बड़ी चतुराई के साथ धार्मिक स्वतंत्रता की दुहाई देने में जुट गए हैं । मैं पूछता हूँ कि यदि यही काम किसी हिन्दू संगठन ने मुसलमान बच्चों के साथ कर दिया होता तो क्या तब भी देश में ऐसी ही शांति और भाईचारा बना रहता ?

एक मुसलमान युवक की लड़ाई-झगड़े में हत्या हो जाने पर पूरा देश असहिष्णु हो गया था, यूपी से मुंबई तक तथाकथित प्रगतिशील लोग (इस्लामिस्ट और कम्युनिस्ट लॉबी) सड़कों पर उतर आई थी। पुरस्कार बापस किये जाने लगे थे और बड़े झबड़े कलाकारों का मन देश छोड़ देने का हो रहा था। किन्तु अब जबकि एक हजार लाचार बच्चों के धर्मान्तरण की घटना सामने आ रही है तब तथाकथित बुद्धिजीवी समूह लीपा-पोती कर रहा है क्यों ? संसार के सभी देशों में अल्पसंख्यक समूह सरकारों से निवेदन करते हैं कि धर्मान्तरण रोकिए और धर्मान्तरण कराने वालों को कठोर दंड दीजिए किन्तु भारत में उल्टी गंगा बह रही है यहाँ अल्पसंख्यक कह रहे है कि धर्मान्तरण पर आँखें मूँद लो और बहुसंख्याक हिन्दू कह रहे हैं कि धर्मातरण को रोकने के लिए कठोर कानून बनाइये। भारत एकमात्र ऐसा देश है जहाँ तथाकथित अल्पसंख्यक मुसलमान और ईसाई, बहुसंख्यक हिन्दुओं का जबरन धर्मान्तरण करा देते हैं और उन्हें इस काम के लिए सजा के स्थान पर देश विदेश से अपार धन मिलता है। अब समय अगाया है जबकि बलात धर्मान्तरण को रोकने के लिए संविधान में कठोर प्रावधान करने ही होंगें नहीं तो वह दिन दूर नहीं जब पूरे देश में हिन्दू अल्पसंख्यक बन कर रह जाएँगे। आज समग्र देश में धर्मान्तरण रोकने के लिए एक कठोर कानून की आवश्यकता है।

बार कौंसिल में वाराणसी के हरिशंकर सिंह, सर्वाधिक मत पाकर हुए विजयी

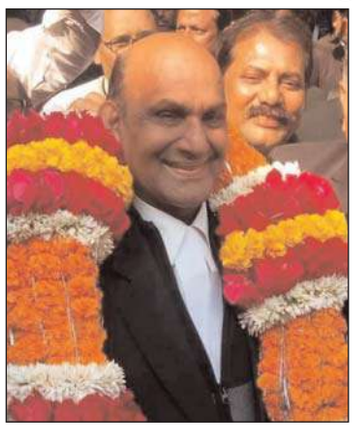

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। उत्तर प्रदेश बार कौंसिल का चुनाव 4 जुलाई 2021 को शाम लगभग 6 बजे बार कौंसिल उत्तर प्रदेश के कार्यालय में चुनाव अधिकारी शिव किशोर गौड़ सदस्य - सचिव के देख-रेख में सम्पन्न हुआ। राज्य विधिज्ञ परिषद उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सह अध्यक्ष व समितियों का चुनाव सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष श्रीश कुमार मेहरोत्रा व उपाध्यक्ष पद पर बराबर मत पाने के कारण प्रदीप कुमार सिंह व राकेश पाठक को उपाध्यक्ष घोषित किया गया। अधिवक्ता हितकारी समिति के चुनाव में पूर्व अध्यक्ष बार कॉउन्सिल ऑफ उत्तर प्रदेश के हरिशंकर सिंह सर्वाधिक मत पाकर विजयी घोषित हुए। विदित हो कि बार काउंसिल के अधिवक्ता हितकारी समिति द्वारा पूर्व में 10,000 रुपए की सहायता राशि दी जाती थी, उसे पूर्व चेयरमैन हरिशंकर सिंह के कार्यकाल में 25,000 रुपए कर दिया गया है। यह धनराशि गंभीर रूप से बिमार पीड़ित अधिवक्ताओं को दिया जायेगा।

अभाविप काशी जिला की जिला समीक्षा योजना बैठक हुई संपन्न

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद काशी जिला की जिला समीक्षा योजना बैठक संपन्न हुई। जिला समीक्षा योजना बैठक में प्रवास पर आए प्रदेश सह मंत्री शुभम कुमार सेठ जी एवं विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में पूर्व विभाग प्रमुख विनय पांडेय ने स्वामी विवेकानंद एवं माता सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करके कार्यक्रम की शुरूआत की एवं जिला समीक्षा योजना बैठक में जिले भर की गहन समीक्षा की गई आगामी योजना में विद्यार्थी परिषद इस वर्ष 50,00 सदस्य बनाएगी साथ ही सामाजिक मुद्दे शैक्षणिक मुद्दे पर विद्यार्थी परिषद का विशेष जोर रहेगा आयामी कार्य द्वारा विद्यार्थी परिषद जल संरक्षण एवं सफाई के लिए प्रत्येक महीने जन जागरूकता अभियान चलाएगी कार्यक्रम के पश्चात स्वामी विवेकानंद जी की पुण्यतिथि पर वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला संयोजक अश्वनी कुमार सिंह जुड़े रहे तथा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अनिकेत मौर्या , प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सौरभ सिंह ,कार्यक्रम संयोजक दीपू विश्वकर्मा , संचालन कर रहे आशुतोष केशरी ,नगर सह मंत्री धीरेंद्र कुमार पटेल जगतपुर पी.जी कॉलेज इकाई उपाध्यक्ष राहुल कनौजिया उपस्थित रहे।

कासगंज में प्रेमी को पीट-पीटकर मार डाला प्रेमिका फंदे से लटकी

कासगंज। उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। सोमवार की सुबह युवक का शव खेत में पड़ा मिला। इस घटना की खबर मिलते ही गांव की एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। दोनों के बीच प्रेम संबंध बताए गए हैं। हत्या का आरोप युवती के परिवार पर लग रहा है। पुलिस जांच में जुटी है। घटना सोरों कोतवाली क्षेत्र के नगला सुरजी की है। गांव निवासी युवक सुशील रविवार शाम को अपने खेत पर मक्का की रखवाली करने गया था। सोमवार की सुबह ग्रामीणों ने उसका शव पड़ा देखा। इसकी जानकारी होने पर मृतक के परिवार में चीत्कार मच गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर, सुशील की मौत के बाद गांव निवासी एक युवती ने फांसी लगाकर जान देने का प्रयास किया। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नगर पालिका अध्यक्ष ने किया पौधरोपण

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। नगर पालिका अध्यक्ष गुलाब मौर्या ने सोमवार को नवनिर्मित नगर पालिका भवन के प्रांगण में पौधरोपण कर वृक्षारोपण के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए नगर पालिका के प्रत्येक कर्मचारी को पौधरोपण करने के लिए प्रेरित किया । इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधे अवश्य लगाना चाहिए उन्होंने कहा कि पौधों से ही हमें ऑक्सीजन मिलता है और जीवन में पौधे लगाना एक महत्वपूर्ण कार्य है । इस अवसर पर सभासद कृष्ण कुमार तिवारी , सभासद प्रतिनिधि मुरारी यादव , सहित नगर पालिका कर्मचारी उपस्थित रहे ।

रिक्त पदों के लिए वाडेर्नों ने अपना आवेदन किया प्रस्तुत

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। नागरिक सुरक्षा कलेक्ट्रेट प्रखंड की बैठक पांच जुलाई सोमवार को कलेक्ट्रेट प्रखंड कार्यालय में सम्पन्न हुई। जिसमें कलेक्ट्रेट प्रखंड में डिप्टी डिविजनल वार्डेन,आइसीओ के तीन और प्रखंडस्तर पर रिक्त पदों के लिए स्वयंसेवकों और वाडेर्नों ने अपना आवेदन प्रस्तुत किया। अध्यक्षता सहायक उप नियंत्रक (का.) विवेक कुमार राय और संचालन डिविजनल वार्डेन संजय कुमार राय ने किया। बैठक में पोस्ट वार्डेन अरविंद विश्वकर्मा, अजय श्रीवास्तव, अजय यादव, मनीष गुप्ता,महेन्द्र पाठक, जय प्रकाश जायसवाल, अश्वनी कुमार,कार्यालय सहायक कुलदीप श्रीवास्तव,प्रमोद पाल आदि शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

जीरो टॉलरेंस के तहत क्षेत्राधिकारी श्रुति ने किया रोड मार्च दिए निर्देश

प्रखर पूर्वान्चल चन्दौली। जनपद की तेजतर्रार क्षेत्राधिकारी नवगढ़ श्रुति गुप्ता ने क्षेत्र में कानून व्यवस्था को ठीक करने तथा आमजन मानस में सुरक्षा की भावना को और प्रबल करने हेतु श्रुति गुप्ता के द्वारा प्रर्याप्त पुलिस बल के साथ कस्बा नौगढ़ में पैदल गश्त कर दुकानदारों व्यापारियों व राहगीरों से बातचीत कर आवश्यक जानकारी प्राप्त करने सहित प्रभारी निरीक्षक नौगढ़ को आवश्यक दिशा-निर्देश दि और सभी से कोरोना वायरस से बचाव हेतु जारी समस्त दिशा-निदेर्शों का पालन करने की अपील की क्षेत्राधिकारी नौगढ़ के नेतृत्व में सर्किल क्षेत्र में फुट पेट्रोलिंग किया गया जिसके अन्तर्गत भीड़भाड़ वाले स्थानों, बाजारों, सराफा मार्केट, प्रमुख चौराहों, बस स्टैंड/टैम्पो स्टैंड, रेलवे स्टेशन, पार्क, सिनेमा हाल आदि स्थानों पर भ्रमण व निरीक्षण किया । क्षेत्राधिकारी नौगढ़ ने सर्किल के समस्त थाना प्रभारी को पर्याप्त पुलिस बल के साथ सघन चेकिंग अभियान, गश्त करनें व अपराधियों अवांछनीय तत्वों आपत्तिजनक गतिविधियां छेड़खानी करने वाले व्यक्तियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कार्यवाही करने व आमजन से वार्ता कर उनकी समस्याओं से अवगत होकर उसके निस्तारण तथा लोगों को कोरोना संक्रमण से बचाव एवं जारी दिशा निदेर्शों के पालन हेतु जागरूक करनें के साथ ही उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही करनें हेतु निर्देशित किया।

सावन के प्रथम सोमवार को काशी विश्वनाथ मन्दिर सहित नव शिवालयों में यादव बंधु करेंगे जलाभिषेक -लालजी यादव

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सन 1932 से चली आ रही परम्परा का निर्वाह करेंगे यादव बंधु । सावन के प्रथम सोमवार को काशी विश्वनाथ सहित अन्य नव शिवालयों में यादव बंधुओ द्वारा होने वाले जलाभिषेक के संदर्भ मे चंद्रवंशी गोप सेवा समिति का बैठक किया गया। मीडिया से बातचीत के दौरान समिति के अध्यक्ष लाल जी यादव ने बताया की यह परम्परा सन1932 से चली आ आ रही है इस वर्ष यादव बुधों कोविड -19 को मदेनजर रखते हुए प्रशासन द्वारा जारी गाईड लाइन का पूर्ण रूप से अनुपालन करते हुए वर्षो से चली आ रही परम्परा का निर्वाह करेगे तथा अध्यक्ष लालजी यादव बताते है की जलाभिषेक - यात्रा पारम्परिक मार्ग से होते हुए प्रथम गौरी केदारेश्वर से जलाभिषेक आरम्भ होगा उसके उपरान्त तिलभांडेश्वर ,शीतला माता ,आह्लयेस्वर महादेव, काशी विश्वनाथ मृत्युंजय महादेव ,त्रिलोचन ओमकालेश्वर व बाबा लाट भैरव का जलाभिषेक करते हुये यात्रा सम्पन्न होगा । बैठक में जलाभिषेक से सम्बंधित और भी मुख्य बिंदुओं पर चर्चा की गयी। बैठक की अध्यक्षता लालजी यादव संचालन पारसनाथ यादव व धन्यवाद ज्ञापन एमपी यादव ने किया बैठक,में मुख्य रूप से उपस्थित शालिनी यादव ,अरुण यादव ,डा. आर सी यादव, बल्ली सरदार आयुष्मान, विनय ,मनोज कृष्णा, रोहित, ऋषि, शरद, सावन, गोविंद अमन ,अमित सौरभ ,पियुष लोकनाथ यादव, रितेश, लाले, गौरव ,भगवान साव सहित इत्यादि लोग मौजुद रहे ।

यूपी सरकार से कोचिंग खोलने की मांग को लेकर टीचरों ने किया भिक्षाटन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। वाराणसी में कोचिंग संचालकों ने किया भिक्षा टन सरकार की नीतियों का किया कड़ा विरोध, शिक्षण संस्थानों को खोले जाने की कि सरकार से मांग वैश्विक महामारी कोरोना के बाद ऑनलाइन की प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही जहां आज उत्तर प्रदेश में जिम , मल्टीप्लेक्स के साथ पार्कों को पूरी तरह से खोल दिया गया है । ऐसे में इन सबके बावजूद कोचिंग और इंस्टीट्यूट न खुलने से संचालकों में आक्रोश का माहौल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में आज पूर्वांचल कोचिंग संघ के लोगों ने अनोखा विरोध प्रदर्शन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया है। पिछले करीब 15 महीनों से अधिक कोचिंग के बंद होने से कोचिंग संचालकों के सामने आर्थिक संकट उमड़ पड़ा है जिसको लेकर आज पूर्वांचल कोचिंग संघ के लोगों ने वाराणसी की सड़क पर उतर कर भिक्षाटन किया और सरकार को चेतावनी दिया कि यदि जल्द से जल्द कोचिंग सेंटरों को नहीं खोला गया तो पूरे प्रदेश में यह आंदोलन बड़े स्तर पर चलेगा. कोचिंग संचालकों का कहना है कि जिस तरह से उत्तर प्रदेश की सरकार मल्टीप्लेक्स और जिम को खोलने का निर्देश दिया है उसी प्रकार कोचिंग को भी खोलने का निर्देश दें जिससे शिक्षा के क्षेत्र में पूर्वांचल के पिछड़ रहे छात्रों का उद्धार हो और आर्थिक स्थिति से जूझ रहे कोचिंग संचालक अपनी आजीविका को चला सके.. यदि उत्तर प्रदेश सरकार ऐसा नहीं करती है तो अगले सप्ताह से पूरे उत्तर प्रदेश के चौराहों पर कोचिंग संचालक और इंस्टिट्यूट के लोग भीख मांगने का कार्य करेंगे ।

अच्छे दिन के वायदे पर विरोध स्वरूप कांग्रेसियों ने बांटी मिठाई

प्रखर पिंडरा वाराणसी। कांग्रेस कार्यकताओं ने सोमवार को पिंडरा तहसील पर पेट्रोल के बढ़ते दाम और 100 रुपये प्रति लीटर होने पर अच्छे दिन आने के वायदे पर कटाक्ष करते हुए तहसील में मिठाई बांटी। कहा 'अब कितने अच्छे दिन आएंगे', आम लोगों के दाल और तेल नसीब नही हो रहे हैं। भाजपा अच्छे दिन होने का गुण गा रही है। पिण्डरा तहसील प्रांगण में बढ़ती महगाँई के खिलाफ पूर्व विधायक अजय राय के निर्देश पर यूथ कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष विवेक सिंह रिंकू के नेतृत्व में पेट्रोल-डीजल के लगातार बढ़ते दाम से बढ़ती महंगाई और आम गरीब लोगो को दो जून के रोटी के साथ सरसो के तेल बढ़ने से सब्जी मिलना नसीब नही हो पा रहे हैं। बढ़ती महंगाई के विरोध स्वरूप तहसील के अधिवक्ता, वादकारियों व फरियादियों को मिठाई खिलाई। इसके पूर्व मौनी बाबा मन्दिर में मत्था टेका और बढ़ती महंगाई को रोकने के लिए भाजपा के सद्बुद्धि के लिए प्रार्थना की। इस दौरान कांग्रेस जिला महासचिव रामसनेही पाण्डेय, पिण्डरा ब्लाक अध्यक्ष विघ्नेश्वरानन्द उपाध्याय, जिला उपाध्यक्ष राजीव राम राजू, राकेश सिंह, विकास सिंह, विनय मिश्रा, हिमांशु सिंह, निखिल, जटाशंकर पटेल, रविन्द्र समेत अनेक कार्यकर्ता रहे।

पौध लगाओ, धरती बचाओ

प्रखर पिंडरा वाराणसी। बाल विकास परियोजना के तहत संचालित आंगनवाड़ी केन्द्रों पर वेदांता एंव उसकी सहयोगी संस्था हुमाना पीपल टू पीपल इंडिया के द्वारा संचालित पिंडरा ब्लॉक के एक दर्जन नंदघरो पर तथा आस पास खाली स्थान पर सोमवार को 485 पौधे लगाये गए । जिसमे नीम, पीपल, शीशम, अशोक ,अमरूद व औषधि पौधे रहे। इस दौरान स्टेट कोऑर्डिनेटर माधव सिंह, सहायक जिला समन्यक प्रदीप कुमार ने ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने के लिये ग्रामीणों को जागरूक किया। पिंडरा ब्लॉक के जलालपुर में आयोजित वृहद पौधरोपण के दौरान ग्राम प्रधान जयप्रकाश शर्मा प्रधानाध्यापक श्यामजीत, आंगनवाड़ी कार्यकर्ती कुसुम चौबे, उर्मिला देवी तथा क्लस्टर कोऑर्डिनेटर बंदना सिंह ,अजय आदिती और अभिषेक मिश्रा उपस्थित रहे।

विवाहिता के हत्या के आरोपित पति समेत तीन गिरफ्तार

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना के बराई नयेपुर में गत दिनों 22 वर्षीय विवाहिता की गला दबाकर हत्या करने के आरोप में सोमवार को पुलिस ने पति समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बताते चलें कि गत एक जुलाई को विवाहिता अर्चना सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। ससुराल वालों ने सर्प दंश से मौत होने की सूचना दी। जब मायके के लोग ससुराल पहुचे तो गले पर निशान देख गला दबाकर कर हत्या करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को सूचना दी थी। उसके बाद पुलिस ने विवाहिता के भाई कुँवर बीरेंद्र प्रताप सिंह निवासी कविरामपुर बड़ागाँव के तहरीर पर पति वीरेंद्र पटेल, सास कलावती देवी और ससुर राधेश्याम पर दहेज मांगने व प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था।

लक्ष्मी होम्योपैथिक क्लीनिक का हुआ शुभारंभ

प्रखर वाराणसी। लंका स्थित हैदराबाद गेट के समीप आज सोमवार को लक्ष्मी होम्योपैथिक क्लीनिक का शुभारंभ जनता पार्टी के वाराणसी जिला अध्यक्ष पद्माकर सिंह सोनी द्वारा रिबन काटकर किया गया। क्लीनिक के संस्थापक डॉ आर के ने बताया कि उन्होंने अपनी पढ़ाई लाल बहादुर शास्त्री होम्योपैथिक मेडिकल कालेज एंड हॉस्पिटल इलाहाबाद से संपन्न की पढ़ाई पूरी होने के बाद डॉ आर के बनारस के अपेक्स हॉस्पिटल में बतौर रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर (आर एम ओ) के पद पर रहकर अपनी सेवा दे चुके हैं। मीडिया से बातचीत के दौरान डॉ आर के सिंह ने बताया कि समाज में जनमानस की समस्या को देखकर मेरे मन में जनकल्याण के प्रति सेवा भाव का विचार आया। और उन्होंने होम्योपैथी के महत्व को भी बताते हुए कहा कि होम्योपैथिक चिकित्सा अधिक लोकप्रिय हो रही है क्योंकि यह एलोपैथिक की तुलना में सस्ती है। और इसका कोई दुष्प्रभाव भी नहीं है होम्योपैथी और अन्य भारतीय चिकित्सा पद्धतियों जैसे कि सिद्ध आज देश में अधिक महत्वपूर्ण भूमिका में है। इसके अलावा डॉक्टर साहब ने अभी कहा कि मेरे द्वारा आज फ्री मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया है जिसमें जरूरतमंदों को फ्री मेडिसिन का भी वितरण किया जाएगा और समय-समय पर श्री कैंप लगाकर लोगों की मदद करने का भी कार्य मेरे द्वारा निरंतर किया जाएगा।

राममंदिर निर्माण में लगने वाले पत्थरों की पहली खेप रवाना

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। अयोध्या स्थित राम मंदिर निर्माण कार्य में इस्तेमाल होने वाले अहरौरा के गुलाबी बलुआ पत्थरों की पहली खेप 19000 हजार घन मीटर पत्थर फाउंडेशन के लिए नीव में लगने वाले पत्थर को मिजार्पुर के अहरौरा के खदानों से सोमवार को जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने हरी झंडी दिखाकर पहली गाड़ी को रवाना किया बता दे कि मिजार्पुर जिले के अहरौरा के खदानों से अयोध्या में बन रहे भव्य श्री राम मंदिर के गर्भ गृह में लगने वाले पत्थर जो कि अहरौरा से जाने वाले है बड़ी सौभाग्य की बात है जो कि अहरौरा के खदानों से बन रहे मंदिर में गर्भ गृह के लिए पत्थर इस्तेमाल किया जा रहा है वही जिलाधिकारी ने दीप जलाकर गर्भ गृह में जाने वाले पत्थरो को पूजन किया अपने संबोधन में जिलाधिकारी ने बताया कि बहुत गर्व की बात है जो कि श्री राम मंदिर निर्माण में मिजार्पुर जिले के क्षेत्र से 19000 हजार घन मीटर पत्थर गर्भ गृह के लिए जा रहा है जो कि हम लोगो के लिए और मेरे कार्यकाल में जा रहा है जो मेरे लिए भी गर्व की बात है कि प्रभु श्री राम के चरणों मे लगने वाले पत्थर मेरे कार्यकाल मे जा रहा है वही पत्थरो के ट्रेडर्स मालिक डॉ अजय सिंह कर्ण निवासी वाराणसी, वीरेंद्र सिंह महादेव, प्रोजेक्ट मैनेजर वृजेश सिंह, टाटा से आये हुए मनीष द्धिस्ति,कर्मवीर,जग्गी व क्षेत्र के खनन कर्ता व बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।

वन महोत्सव अभियान में एनसीसी कैडेटों ने एक हजार पौधे लगाए

प्रखर थानागद्दी जौनपुर। केराकत के बरामनपुर स्थित कोणार्क सीमेंट चादर बनाने वाली यूएएल कम्पनी ने एक जुलाई 2021 से चल रहे वन महोत्सव अभियान के तहत 21 हजार बृक्षारोपण का लक्ष्य लिया है।एनसीसी कैडेटों ने बृक्षारोपण कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए आज एक हजार पौधरोपण किये। 98 यूपी एनसीसी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल गोविंद कन्याल के निर्देशन में जनता इण्टर कालेज रतनूपुर जौनपुर के सीनियर और जूनियर डिवीजन के एनसीसी कैडेटों ने आज शनिवार को एक हजार विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण किया।रतनूपुर की प्रधानाचार्या रजनी द्विवेदी और कम्पनी के जनरल मैनेंर जी एस बाहेती ने बृक्षारोपण करके कार्यक्रम की शुरूआत की।बरामनपुर सिंधौरा मुख्यमार्ग पर स्थित बराहिमपुर और जमुआ गांव के पास सड़क के दोनों तरफ पौधे लगाए गए। लेफ़्टिनेंट सुनील कुमार के नेतृत्व में 60 एनसीसी कैडेटों ने बृक्षारोपण कार्यक्रम में हिस्सा लिया।इस अवसर पर आरएसएस के काशी प्रान्त के प्रांत कार्यवाह मुरली पाल कम्पनी के पर्सनल मैनेजर डीएन उपाध्याय उपेंद्र कुमार यादव एवी सिंह अंजनी मिश्र मुरारी पांडेय सन्तोष झा वेदप्रकाश सिंह प्रेमचंद शुक्ल राजेश सिंह हृदयनारायण सिंह कैडेट प्रीतम सिंह सूरज यादव जुली यादव शिवानी जायसवाल प्रीति यादव आँसू निषाद खुशी कन्नौजिया उपस्थित रहे।

जितना अधिक पेड़ पौधे लगायेगे उतना ही अधिक जीवन की उम्मीद बढती जाएगी - एजाज अहमद

प्रखर सेमरियावा संतकबीरनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रारम्भ हुए ह्यवन महोत्सव सप्ताहह्न कार्यक्रम के तहत उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वृक्षारोपण का वृहद अभियान चलाकर एक सप्ताह में 30 करोड़ वृक्षारोपण का लक्ष्य रखा गया है। इसी क्रम में बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों के निर्देश पर सोमवार के दिन भी पूर्व माध्यमिक विद्यालय विगरा अव्वल में ग्राम प्रधान एजाज अहमद व मोड़ूआजम के द्वारा वृक्षारोपण किया। उन्होंने ग्रामवासियों अभिभावकों से अपील किया कि आइए, वृक्षारोपण महाभियान का हिस्सा बनें। इस अवसर पर राज मुनी मोहनलाल गौतम संजीदा खातून फरीदा यासमीन विनोद यादव आजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

पत्रकारों के मान सम्मान, सुरक्षा व संरक्षण के साथ उनके हितों को सर्वोपरि रखा जाएगा -एसडीएम सदर

सदर तहसील स्तरीय संगोष्ठी में हुआ पत्रकारों का सम्मान, पुलिस बल पत्रकारों की सुरक्षा में नहीं बरतेगी लापरवाही

प्रखर शिवपुर वाराणसी। पत्रकार समाज का सजग प्रहरी हित है जो सत्य को आइना दिखाता है।समाज मे हो रहे बदलाव से उतपन्न हो रही समस्याओं को सामने लाकर उनका हितैसी बनता है ,यह सब करने के बाद भी समाज की चिंता लिए संघर्षो के साथ सेवा भावना सहित दायित्व का निर्वहन करता है। उनके मान सम्मान व संरक्षण के साथ उनके हितों की सर्वोपरि रक्षा की जाएगी। उक्त बातें संत अतुलानन्द विद्यालय शिवपुर के प्रांगण में यूपी ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन सदर तहसील इकाई की ओर से आयोजित "पत्रकारों की सुरक्षा संरक्षण व मान सम्मान" गोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि उप जिलाधिकारी सदर वाराणसी नंदकिशोर जी ने पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किया। सहायक पुलिस आयुक्त (कैंट) अभिमन्यु मांगलिक ने पत्रकारों के बीच हर एक पत्रकार सच्ची बातों तथा घटनाओं के आधार पर सत्यता की पुष्टि करते हुए खबर का प्रकाशन करते हैं हम प्रशासन की ओर से हर संभव मदद करने का प्रयास करेंगे कि पत्रकारों को पूर्ण रूप से संरक्षण व सुरक्षा व्यवस्था प्रदान किया जाए हम प्रयास करेंगे कि हमारे स्तर से जो भी कार्य होंगे पत्रकार हित में करेंगे। इस कार्यक्रम में तहसीलदार सदर योगेंद्र ने कहा कि हम निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता के साथ कदम से कदम मिलाकर हमेशा खड़े रहेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में वाराणसी व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजीत सिंह 'बग्गा' ने कहा कि हम एक दूसरे के साथी हैं हमारा सहयोग एक दूसरे के साथ सुख- दुख में कंधे से कंधा मिलाकर हमेशा रहेगा। हम सरकार से मांग करते हैं कि सभी ग्रामीण पत्रकारों को सरकारी आवास उपलब्ध कराया जाए। संगठन के महामंत्री आर0पी0 सिंह ने संगठन के इतिहास पर चर्चा करते हुए कहा कि संगठन शुरू से ही पत्रकारों की सुरक्षा को हमेशा लेकर लड़ता रहा है। हम मुख्य अतिथि से अपेक्षा करते हैं कि शासन और प्रशासन से हमेशा सहयोग मिलता रहे। व्यापार मंडल के महामंत्री प्रमोद अग्रहरी व कविंद्र जायसवाल ने कहा कि पत्रकारों के साथ न्याय और सम्मान व्यापार मंडल वाराणसी करेगा और मिलकर अधिकारों की लड़ाई लड़ेगा। संत अतुलानन्द विद्यालय के प्रबंधक राहुल सिंह ने कहा कि पत्रकार किसी जाति, विरादरी व सम्प्रदाय का नहीं बल्कि समाज का सजग प्रहरी होता है।जो दिन प्रतिदिन की घटनाओं को उजागर करता है।पहले घटनाएं अखबारों में मिलती थी अब डिजिटल युग मे खबरें पत्रकार चन्द समयों में उपलब्ध करा देता है। उनके हितों का सम्मान बढ़ते आतंक व विषम परिस्थितियों में आज की जरूरत है। सदर तहसील अध्यक्ष विक्की मध्यानी,बंटी उपाध्याय,वीरेंद्र उपाध्याय, हेमंत दुबे,अवनीश मिश्रा,अरविंद मिश्रा,मुस्ताक आलम, राजीव सेठ,संजय मध्यानी अखिलेश राय अधिवक्ता,दीपक मिश्रा एडवोकेट,रमेश पांडेय व राजू यादव नेआगंतुक अतिथियों सहित समस्त पत्रकार लोगों का स्वागत किया। गोष्ठी में प्रमुख रूप से विनय मौर्य (सम्पादक अचूक संघर्ष) जौनपुर व्यूरो राहुल गुप्ता, देवेंद्र पटेल,नीरज सिंह, जयशंकर पांडेय,सर्वेश यादव, आशीर्वाद गुप्ता, दिनेश तिवारी, धीरज मिश्रा, अजय पांडेय समेत तीनो तहसीलों से कई पत्रकार उपस्थित रहे। विक्की मध्यानी ने सदर तहसील की ओर से मास्क व सेनिटाइजर पत्रकारों में वितरित किया गया।प्रीति भोज में पत्रकारों ने काशी का प्रसाद ग्रहण किया। गोष्ठी की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष श्री प्रकाश वर्मा रमेश ने किया साथ ही साथ सभी पत्रकार साथियों का माल्यार्पण कर सम्मान किया।सफल संचालन करते हुए प्रदेश प्रवक्ता के0एल0 पथिक ने द्वितीय सत्र में पत्र, पत्रकार और पत्रकारिता के महत्व व लेखन शैली, अभिलेख निर्माण, स्मारिका प्रकाशन के आलेख,बेहतर संवाद,सहयोग व समन्वयन बिंदु पर चर्चा की। धन्यवाद ज्ञापन सदर तहसील अध्यक्ष विक्की मध्यानी ने किया। हर हर महादेव, पत्रकार एकता जिंदाबाद के जयघोष के बाद गोष्ठी का समापन हुआ।

विधायक के मीडिया प्रभारी ने की रक्षामंत्री राजनाथ से मुलाकात की

प्रखर केराकत, जौनपुर। ग्रामसभा गोबरा के मूल निवासी और क्षेत्रीय विधायक दिनेश चौधरी के मीडिया प्रभारी गौतम मिश्र गोलू ने लखनऊ के तीन दिवसीय प्रवास पर आए देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके आवास पर मुलाकात किया। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश,पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार,पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी,पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री एवं वर्तमान में लखनऊ संसदीय क्षेत्र से सांसद के साथ-साथ केंद्र में रक्षामंत्री पद को सुशोभित कर रहे परम राजनाथ सिंह "बाबूजी" से तीन दिवसीय लखनऊ प्रवास के दौरान उनके आवास पर मुलाकात कर उनका स्नेहाशीष प्राप्त किया बाबूजी ने बड़े ही आत्मीयता से मेरा कुशलछेम जानते हुए विधानसभा केराकत को लेकर उन्होंने अपनी पुरानी स्मृतियों को मुझसे साझा किया। कई कद्दावर नेतृत्वकर्ता के बारे में उन्होंने मुझसे जानकारी चाही तो वहीं दूसरी तरफ चंदवक, खुज्जी, केराकत,बेहड़ा और निहालापूर इत्यादि गांव में मुख्य अतिथि बनकर के कार्यक्रम में

उपस्थित होने की बात को भी मुझसे साझा किया। कई ऐसे महान विभूतियों का उन्होंने मुझसे जिक्र किया जिनसे हमारे परिवार का पारिवारिक संबंध और उनका नाता भारतीया जनसंघ,संघ और बाद में भाजपा से रहा है। जैसे पूर्व में विधायक, सांसद और मंत्री रहे स्वर्गीय रामसागर राम -बेहड़ा, स्वड रुद्रप्रताप सिंह "वकील साहब" भैंसा, स्वड सभापति शुक्ला प्रसादीपुर-उमरवार, स्व. मेजर साहब बेहड़ा, केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद का पैतृक गाँव नीहालापुर और मेरे पूज्य दादा स्वर्गीय पंडित जगदंबा प्रसाद शास्त्री सहित स्व0 शिवप्रसाद शास्त्री "सखेडु पंडित" भीतरी-गोपालपुर से भारतीय जनसंघ और कार्यकर्ता जीवन से जुड़ी अपनी तमाम स्मृतियों कों उन्होने विस्तार पूर्वक सांझा कर मुझसे मिलते-जुलते रहने का निर्देश दिया।

वह लगभग दस मिनट की मुलाकात मेरे जीवन का अद्भुत और अनोखा क्षण था। जब आपके सामने भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक,भारतीय राजनीति के अर्श से फर्श पर पहुंचे और वर्तमान में राजनीतिक क्षितिज पर विराजमान व्यक्तित्व आपसे इतना सादगी,सरलता,सहजता और अपनापन के साथ मिले तो वास्तव में वह क्षण अद्भुत तो हो ही जाएगा। वास्तव में आजकल के सत्ता लोभ में और पद के मय में मतांध हो चुके राजनेताओं को आदरणीय राजनाथ सिंह जैसे व्यक्तित्व से सबक लेना चाहिए कि कैसे अनचाहे,अनजाने व्यक्ति को भी अपने स्वभाव,अपने आचरण से,अपना पल भर में बनाया जा सकता है। भारतीय जनता पार्टी,भारतीय जनसंघ एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की दृष्टि से जनपद जौनपुर में विधानसभा केराकत का अनूठा इतिहास रहा है, हम सब वाकई गरवांवित होते हैं और उस समय अत्यधिक फक्र करते हैं जब हमारे क्षेत्र के ऐसे-ऐसे महान विभूतियों का नाम बड़े ही सम्मान पूर्वक राजनीति के सर्वोच्च पटल पर, शीर्ष स्तर के राजनेताओं के मुखारविंद से लिया जाता है।

फिल्म जगत में जल्द ही कदम रखेगी आईना परिवार - आईना प्रमुख सुमित स्वामी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। आज एक साक्षात्कार के दौरान आईना प्रमुख सुमित स्वामी ने बताया के आईना परिवार असंख्य सामाजिक संगठनों का समूह है यह परिवार प्रत्येक कार्य आपसे सलाह के माध्यम से करती है सामाजिक संगठनों को सामाजिक कार्यों के प्रति उनके पेपर ऑडिट रिपोर्ट एनुअल रिपोर्ट एवं एनजीओ से जुड़ी हुई हर प्रकार के समस्याओं पर कार्य करती है सामाजिक संगठनों को उनके कार्यों को जन जन तक पहुंचाने के लिए आईना परिवार फिल्म जगत में कदम रख रही है फिल्मों के माध्यम से सामाजिक संगठनों के कार्यों को जन जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा तथा समाज में किस तरह के फिल्म होने चाहिए हमारे देश की सभ्यता और संस्कृति क्या है इस को ध्यान में रखकर फिल्म का निर्माण किया जाएगा। आईना परिवार वर्तमान समय में इंडिया अगेंस्ट चाइल्ड एब्यूज नाम से बाल अपराध के प्रति जागरूकता प्रोग्राम संपूर्ण देश में कर रही है जिसमें देश के समस्त राज्य के सामाजिक संगठन सहयोगी हैं समस्त सामाजिक संगठनों के सहयोग से बाल अपराध को खत्म करने पर जोर दिया गया है हमारे राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष रोहतास स्वामी राजस्थान एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी उपाध्यक्ष कुलजीत सैनी मध्य प्रदेश राष्ट्रीय कार्यकारिणी प्रभारी आशुतोष शर्मा उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय कार्यकारिणी प्रवक्ता इश्तियाक हुसैन जम्मू एंड कश्मीर राष्ट्रीय कार्यकारिणी महासचिव तानाजी महाराष्ट्र राष्ट्रीय कार्यकारिणी संगठन मंत्री शेर अली बिहार राष्ट्रीय कार्यकारिणी मेंबर आलोक कुमार उड़ीसा राष्ट्रीय कार्यकारिणी महिला विंग से श्रीमती परवीन संग्राम जम्मू एंड कश्मीर श्रीमती इंदुताई जी महाराष्ट्र श्रीमती रुचि अरोड़ा दिल्ली श्रीमती मंजुला जी तमिलनाडु एवं समस्त राज्यों के राष्ट्रीय कार्यकारिणी कमेटी प्रदेश कमेटी की सहमति उपस्थित रहे।

वीर सपूतों एवं कर्तव्य परायण व्यक्तियों से मिलती है सीख- प्रभुनाथ

प्रखर जखनियां गाजीपुर। देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को नमन करने से जहां आत्मबल बढ़ता है वहीं उनके कृतियों को याद करने से राष्ट्र समाज के लिए कुछ करने की प्रेरणा मिलती रहती है। उपरोक्त बातें उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग उपाध्यक्ष प्रभुनाथ चौहान ने महावीर चक्र विजेता शहीद रामउग्रह पाण्डेय की मूर्ति पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि हमारा क्षेत्र सौभाग्यशाली है यह वीरों की धरती है जहां परमवीर चक्र अब्दुल हमीद, महावीर चक्र रामउग्रह पाण्डेय के साथ ही स्वामी सहजानंद सरस्वती

जैसे किसान हित चिंतक अवतरित हुए। हमें इन वीर सपूतों कर्तव्यपरायण व्यक्तित्व से सीख लेकर जनकल्याण कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। महावीर चक्र विजेता रामउग्रह पांडेय के पैतृक ग्राम स्थित शहीद पार्क पहुंचकर प्रभुनाथ चौहान ने उनकी नेत्रहीन पुत्री सुनीता पांडे को अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया। उन्होंने शहीद परिवार के प्रति कृतज्ञता का भाव प्रकट किया। वही शहीद रामउग्रह पांडे सहादत सम्मान समिति अध्यक्ष श्रीराम जायसवाल व अनिल पाण्डेय द्वारा नवनियुक्त दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री को पुष्पगुच्छ अंग वस्त्र देकर स्वागत किया गया। गौरतलब हो कि प्रभुनाथ चौहान को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पिछड़ा वर्ग आयोग का उपाध्यक्ष बनाते हुए दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री बनाया गया है। जिनका सोमवार को जखनियां तहसील मुख्यालय पर प्रथम आगमन रहा।

हरे - भरे पेड़ देंगे स्वस्थ्य जीवन - राष्ट्रीय सेवा योजना

प्रखर जौनपुर। कुटीर पी जी कॉलेज चक्के जौनपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा महाविद्यालय परिसर एवं उसके चारों तरफ वृहद वृक्षारोपण किया गया । वृक्षारोपण कार्यक्रम शासन और विश्वविद्यालय के मंशानुरूप आयोजित था जिसमें पूरे प्रदेश में लाखों पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा गया है ।महाविद्यालय में पौधरोपण कार्यक्रम का आगाज महाविद्यालय के प्रबन्धक डॉ अजयेंद्र कुमार दूबे और प्राचार्य डॉ रमेश मणि त्रिपाठी जी ने स्वयं एक-एक हरा पौधा रोपित करके किया । राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वाधान में कार्यक्रम अधिकारी डॉ श्री निवास तिवारी ने वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरूआत कराते हुए सैकड़ों पेड़ो का रोपड़ कराया । महाविद्यालय के प्रबन्धक डॉ अजयेंद्र कुमार दूबे ने कहा कि हरे -

भरे वातावरण से ही धरा पर रह रहे समस्त जीवों को प्राणदायिनी संजीवनी मिलती है । उक्त अवसर पर पेड़ लगाते हुए प्राचार्य डॉ रमेश मणि त्रिपाठी जी ने कहा कि वृक्षारोपण आज के वातावरण और समाज की प्राथमिकता है क्योंकि बगैर पेड़ों के जीवन की कल्पना भी असम्भव है । वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लेते हुए आमन्त्रित पत्रकार, राजनीतिक विश्लेषक एवं महाविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षक पंकज कुमार मिश्रा जी ने भी अपने हाथो से पौधा लगाया । वृक्षारोपण के पश्चात छात्रों और एन. एस. एस के वालंटियर को संबोधित करते हुए पंकज कुमार मिश्रा जी ने कहा कि अपने ग्रामीण क्षेत्रों को भी हरा - भरा करने के लिए प्रयास जारी रखे । कार्यक्रम आयोजनकर्ता राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ श्री निवास तिवारी जी ने भी कई पौधों को रोपित किया और पौधों कि सुरक्षा हेतु अपने अधीनस्थों और स्थानीय लोगों से आग्रह किया ।

मेरा गॉव कोरोना मुक्त की मुहिम को चरितार्थ करता शहीद संजय फाउंडेशन

प्रखर केराकत जौनपुर। कोरोना की तीसरी लहर को देखते हुए प्रदेश की योगी सरकार कमर कस ली है नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये गॉवो को कोरोना से मुक्ति के लिए दिशानिर्देश देते हुए बताये की की मेरा गॉव कोरोना मुक्त की मुहिम चलाई जा रही है जिसमे प्राथमिक विद्यालय सहित गॉवो को सेनिटाइज कराये जाना सुनिश्चित किया गया है! इसी कड़ी में स्थानीय विकास खण्ड के भौरा गॉव निवासी शहीद संजय सिंह की वीरांगना नीतू सिंह ने भी कोरोना की तीसरी लहर को देखते हुए प्रदेश सरकार की मुहिम मेरा गॉव कोरोना मुक्त को लेकर शहीद संजय फाउंडेशन के द्वारा प्राथमिक विद्यालय को सेनिटाइज किया जा रहा है !शहीद की वीरांगना नीतू सिंह से जब बात की गई तो उन्हीने बताया कि हमारा फाउंडेशन सरकार के मुहिम को आगे बढ़ाने का कार्य करेगी आज फाउंडेशन के द्वारा 06 प्राथमिक विद्यालयों (भौरा में दो प्राथमिक विद्यालय,सेनापुर में तीन प्राथमिक विद्यालय व अमिहित में एक विद्यालय) को सेनिटाइज कराया गया !आगे और भी विद्यालयों को सेनिटाइज करवाया जायेगा ताकि कोरोना के तीसरी लहर से बच्चों को बचाया जा सके ! हमारा फाउंडेशन गरीब व असहाय परिवारों के लिए हर सम्भव मदद के लिए तैयार रहेगा !

एडिशनल एसपी ने किया बबुरी थाने का औचक निरीक्षण परिसर के व्यवस्था से हुए प्रभावित

प्रखर पूर्वान्चल चंदौली। जनपद में बढ़ते हुए अपराध को रोकने के लिए कप्तान अमित कुमार के द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन क्लीन के तहत जनपद की समस्त थाना प्रभारी द्वारा लगातार संदिग्ध व्यक्तिओ का लगातार चेकिंग अभियान जारी है। इसी कड़ी में अपने औचक निरीक्षण में थाना बबुरी पहुचे एडिशनल एसपी ने पहले थाना परिसर का निरीक्षण के दौरान थाना के बैरक आंगतुक रजिस्टर महिला हेल्प डेस्क जैसे तमाम चीजो का गहनता से निरीक्षण किये। निरीक्षण के दौरान समस्त अभिलेखों के यथाइस्थित पाए जाने से संतुष्ट दिखे। फिर अडिशनल एस पी ने थाना प्रभारी से अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के बारे में जानकारी लिए। इस निरीक्षण के दौरान थाने के समस्त कर्मचारि मौजूद रहे। ज्ञात हो कप्तान के द्वारा अपराधियों के धरपकड़ के लिए जनपद में विशेष अभियान चलाया जा रहा है और लगातार उच्चाधिकारियों का औचक निरीक्षण जारी है।

विवादों से पुराना नाता है गंगापुर परिसर के वर्तमान निदेशक का

2009 में महिला उत्पीड़न के एक मामले में किया है खेद व्यक्त

प्रखर वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के गंगापुर परिसर के वर्तमान निदेशक के पर वहां की एक महिला शिक्षक द्वारा उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है । जिसको लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन अभी तक उदासीन बना हुआ है । इस मामले में विश्वविद्यालय प्रशासन का रवैया कहीं से भी महिला संरक्षण के लिए कदम उठाता नहीं दिखाई दे रहा है। अब तक इस मामले में पुलिस ने पीड़ित महिला का बयान तक दर्ज नहीं किया है। बता दें कि वर्तमान निदेशक का एक माफीनामा प्रखर पूर्वांचल के हाथ लगा है । मामला 2009 का है जब महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के मुख्य परिसर में उनके ऊपर इसी तरह के आरोप लगे थे । जिसमें उन्होंने महिला उत्पीड़न की जांच कमेटी को पत्र लिखकर इस

मामले में खेद व्यक्त करते हुए भविष्य में किसी भी तरह की ऐसी किसी हरकत से खुद को दूर रखने की बात कही थी। लेकिन 2020 में एक बार फिर गंगापुर परिसर में उनके ऊपर आरोप लगे हैं । जिससे यह साबित होता है कि निदेशक ने अपने स्वभाव में परिवर्तन नहीं किया है। वर्तमान निदेशक पर समय-समय परअलग अलग तरह के आरोप लगते रहे हैं। इस पत्र के मिलने के बाद सवाल यह खड़ा हो गया है कि आखिर महिला उत्पीड़न के लिए केंद्र और राज्य दोनों सरकारों ने तमाम कानूनी प्रावधान बना रखे हैं । लेकिन उसका उपयोग महिला हित में कहीं होता दिखाई नहीं देता है। इस मामले में भी विश्वविद्यालय प्रशासन अब तक मौन साधे हुए हैं जबकि मामला कुलपति से लेकर महिला आयोग तक पहुंच गया है। इस मामले में वाराणसी के पुलिस कमिश्नर ने ट्वीट करते हुए जल्द से जल्द कानूनी कार्यवाही करने का निर्देश दिया था। लेकिन वाराणसी पुलिस की चुप्पी उसकी कार्यशैली पर सवालिया निशान खड़े कर रही है।

संकटमोचन सेवा ट्रस्ट लगातार कई वर्षों से पर्यावरण के प्रति निभा रहा अपना दायित्व

हजारों पेड़ों की देखभाल कर बना चुका है पेड़

प्रखर वाराणसी। संकट मोचन सेवा ट्रस्ट की तरफ से पर्यावरण जागरूकता, "पौधे लगाए धरती बचाएं" अभियान के तहत पौधे लगाएं जा रहे हैं। बतादे कि पिछले 6-7 वर्षों से हर वर्ष लगातार पौधें लगाएं जाते है, आज के समय में SMST TEAM के द्वारा लगाए गये सैकड़ो पौधें पेड़ बन चुके हैं। फलदार पौधे फल देने लगें है, छायादार पौधे छाया। बताया जाता है कि गांव के युवा साथियों के सहयोग से घर घर जाकर पौधा रोपण किया जा रहा है, नदी किनारे बंधों पर पीपल एवं बरगद के पेड़ लगाएं जा रहें है। पौधे रोपड़ के लिए मार्ग दर्शक बने आजाद हिन्द मंच के साथी "सत्यप्रकाश आजाद

जी", और पौधों का बौदेंबस्त ट्रस्ट के वरिष्ठ साथी करतें हैं जो गांव से बाहर , मुम्बई, गुजरात, जैसे शहरो में रहकर ड्यूटी करतें है। इस अभियान में SMST TEAM के युवा साथी पवनेश, प्रदीप, मोनू, सत्यम, शिवम, मुख्य भूमिका निभा रहें हैं! बहुत सुखद अनुभूति महसूस होती है जब इस टीम द्वारा लगाए गये पौधों को देखा जाता है। इस संस्था ने लगातार पर्यावरण के प्रति अपनी जागरूकता से लोगो को खूब प्रेरित किया है।

सरकार की गाइडलाइन केवल कागजों तक ही सीमित ट्रेनों में खुलकर उड़ाई जा रही सामाजिक दूरी की धज्जियां

प्रखर गाजीपुर। बताते चलें कि आजकल कोरोना महामारी के चलते अधिकाधिक ट्रेनें रद्द हैं।और जो चल रही हैं उनमें सरकार की गाइडलाइन के अनुसार सीट पर प्रति सीट ही व्यक्ति बैठ सकता है जो आरक्षित है । अनारस्खित लोगों के लिए कोई सुविधा नहीं है।यहां तक की सामान्य बोगियों में भी सीट आरक्षित की जा रही है।जबकि पहले ऐसा नहीं होता था लोग तुरंत काउंटर से टिकट लेते थे और जो सामान्य कोच में जहां सीट पता था बैठ जाता था।किंतु अब उस चालू बोगी का नाम भी सेकंड स्लीपर कर दिया गया है।जिसके आरक्षण के लिए महीनों से गरीब दिन दयालु लोग इंतजार कर रहे हैं और अतिरिक्त किराए की किल्लत झेल रहे हैं।और यदि काउंटर द्वारा प्रदत्त प्रतीक्षारत टिकट वैध है।तो आईआरसीटीसी द्वारा ऑनलाइन बुकिंग प्रतीक्षारत क्यों नहीं में है ।वह कैंसल क्यों हो जाता है ! वह टिकट भी तो रेलवे द्वारा ही जारी किया जाता है । जी हां जिस प्रकार से शयनयान कोच के लिए महीने दो महीने पहले से ही आरक्षित किया जाता था।अब वैसे ही सामान्य कोच को भी आरक्षित किया जा रहा है। ऐसे में लोगों से बात की संवाददाता 'दीपक कुमार पाण्डेय ' ने स्टेशन पर भीड़ दखल जब उनका हाल जानने की कोशिश की तो लोगों ने कहा की सरकार लॉकडाउन लगा दी है।लेकिन मजदूर एवं मजबूर वर्ग के लिए सुविधाएं केवल कागजों में

ही सिमट कर रह जा रही हैं। तो हम लोगों को टिकट नहीं मिल रहा है , रोजी रोटी कमाने के लिए बिना टिकट के ही जाना पड़ रहा है।और यात्रियों ने सरकार की व्यवस्था को कोसते हुए कहा कि यदि पहले से आरक्षित सीट वाले व्यक्ति ही यात्रा करेंगे तो जब हम लोग बिना टिकट के जाते हैं तो जाने क्यों दिया जाता है।

संक्षिप्त खबरें

विहिप काशी ग्रामीण जिला की बैठक सम्पन्न आगामी सत्र के लिए बनी कार्य योजना

प्रखर वाराणसी। विश्व हिन्दू परिषद काशी ग्रामीण जिला की बैठक विश्व हिन्दू परिषद कार्यालय इंग्लिशिया लाइन पर हुई। जिसमें आगामी सत्र की योजना बनी। जिला कार्यसमिति के प्रखण्ड, न्याय पंचायत स्तर पर कार्यकताओं एवं कार्य का विस्तार कैसे हो पर योजना बनी। कोरोना डेल्टा प्लस की स्थिति को देखते हुए आगे समाज को सुरक्षित रखने के लिए महामारी से बचने के लिए योजना बनी एवं धर्ममांतरण, लव जेहाद, लैण्ड जिहाद पर अंकुश पाने के लिए भी योजना बनी। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष श्री राजेश पाण्डेय जी तथा संगठन मंत्री श्री दिव्यांशु जी ने बैठक को सम्बोधित किया। बैठक में सभी पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

थाना चन्दवक पुलिस द्वारा नाजायज पिस्टल कारतूस सहित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर जौनपुर। अजय साहनी पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर के कुशल निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर डा0 श्री संजय कुमार के दिशा निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी केराकत श्री शुभम तोदी के निकट पर्यवेक्षण में तलाश वांछित/पुरस्कार घोषित अपराधियों के गिरफ्तारी अभियान, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति अभियान की के क्रम में कार्यवाही करते हुए दिनांक 04.07.2021 को थानाध्यक्ष चन्दवक श्री संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में चन्दवक पुलिस द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर अभि0 सुरज यादव पुत्र कैलाश यादव निवासी नयपुरा थाना गौराबादशाहपुर जनपद जौनपुर को समय 16.30 बजे खुज्झी तिराहे से गिरफ्तार किया गया। अभि0 के कब्जे से एक अदद पिस्टल .32 बोर व 2 अदद जिन्दा कारतूस .32 बोर का बरामद हुआ । गिरफ्तारी / बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 128/21 धारा 3/25 आयुध अधिनियम पंजीकृत कर आवश्यक कार्यवाही उपरान्त अन्तर्गत अभियुक्त को जेल भेजा गया ।

सड़क हादसे में पत्रकार घायल

प्रखर जौनपुर। शहर के वाजिदपुर तिराहे पर सिकरारा क्षेत्र के एक अखबार के शिव शंकर शर्मा "पत्रकार" यहां वाजिदपुर तिराहा स्थित एलआईसी के कार्यालय में किसी काम हेतु आज आए थे तभी अचानक लगभग सवा दो बजे दिन मे एक ट्रक जिसका नंबर यू पी 64 एच 9487 है की चपेट मे आ जाने से गम्भीर रूप से घायल हो गये है। जिनको थाना लाइन बाजार की पुलिस ने जिला अस्पताल पहुंचाया और ट्रक को अपनी कस्टडी मे लेकर थाने ले गई है।

महाबोधि इंटर कालेज में हुआ पौधारोपण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। महाबोधि इंटर कॉलेज (सारनाथ) में पौधरोपण हुआ। माध्यमिक शिक्षा परिषद के उप सचिव प्रभात कुमार झा ने कहा कि पौधे हमारे लिए देव तुल्य हैं ,पौधों की हम पूजा करते हैं, पौधे जीवनदाई प्राणवायु देते हैं,हमें अधिक से अधिक पौधे लगाने की आवश्यकता है । प्रधानाचार्य प्रवीण कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि पौधों को सुरक्षित और संरक्षित रखने की जिम्मेदारी एनसीसी कैडेट्स को दी जायेगी। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक भंते सुमिथानंद थेरों , ब्रह्मदेव पांडेय, डा अरविन्द कुमार सिंह, चंद्रशेखर मिश्र ,राजेश कुमार, भिक्षु धर्मप्रिय आदि थे। संचालन शंभू नाथ मौर्य ने किया।

क्षेत्राधिकारी श्रुति गुप्ता ने किया वृक्षारोपण

प्रखर पूर्वान्चल चंदौली। कोविड-19 के दूसरे प्रकोप में अधिकांश मौत ऑक्सीजन की कमी से हुई थी जिसको देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पर्यावरण संरक्षण के लिए अपील किया था कि बृहद स्तर पर वृक्षारोपण का कार्य करें ताकि आने वाले दिनों में ऑक्सीजन की कमी दोबारा ना हो सके और पर्यावरण संतुलित हो सके जिसको लेकर प्रदेश के तमाम अधिकारियों ने गंभीरता से विचार विमर्श किया और अपने-अपने क्षेत्रो में वृक्षारोपण का कार्य करवाया वही आज जनपद चंदौली के तेज तर्रार क्षेत्राधिकारी नौगढ़ श्रुति गुप्ता ने अपने सर्कल क्षेत्र में वृक्षारोपण करने के बाद लोगों से वृक्षारोपण करने को अपील की।उन्होंने कहा कि पर्यायवरण को संतुलन बनाने के लिए अधिक से अधिक वृक्ष को लगाए ताकि पर्यवरण संतुलित हो सके। यह अभियान 7 जुलाई तक चलेगा। प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि 1 दिन में 3900000 पौधों का रोपण हो ।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं